भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 262 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 16 सितम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस हजार वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

राहुल गांधी पर बीजेपी विधायक का पलटवार, कहा- उनकी मां ईसाई, हिंदू का नहीं खून, दर्ज कराएंगे एफआईआर

भोपाल (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) असली हिंदू नहीं हैं और वे लक्ष्मी और दुर्गा की पर आक्रमण कर रहे हैं। राहुल गांधी के इस बयान पर मध्य प्रदेश के बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के शरीर में हिंदू का खून नहीं है। शर्मा ने राहुल गांधी से माफी की मांग करते हुए कहा कि देवी-देवताओं का अपमान करने की वजह से वह कांग्रेस नेता के खिलाफ गुरुवार को एफआईआर दर्ज कराएंगे। भोपाल से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा, ''राहुल गांधी जी, आप भी हिंदू नहीं हैं और आपके पूर्वज भी हिंदू नहीं थे। हमें खुद को हिंदू कहने में शर्म नहीं आती। (पूर्व प्रधानमंत्री) नेहरू के नेतृत्व में देश का विभाजन हुआ। हजारों हिंदू मारे गए। भगवान से शुक्र मनाओ कि आरएसएस का जन्म हुआ। मोदी सरकार की नोटबंदी और जीएसटी जैसी योजनाओं को देवी लक्ष्मी और दुर्गा पर आक्रमण बताने को लेकर बीजेपी विधायक ने कहा है कि वह कांग्रेस नेता के खिलाफ केस दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा, ''कल (गुरुवार) मैं राहुल गांधी के खिलाफ ईंई कराऊंगा। देवी-देवताओं के अपमान करने की वजह से उन्हें माफी मांगनी चाहिए। आपकी (राहुल) मां और जीजा ईसाई हैं। नहीं लगता कि आपमें हिंदू का खून है। हिंदू देवताओं का अपमान बंद करो।

भारत ने इस्लामिक संगठन और पाकिस्तान को जमकर लताड़ा

कहा- आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का हक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने यूनाइटेड नेशंस ह्यूमन राइट्स काउंसिल (ळ्प्ण्) में ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ध्प्ण्) को जमकर लताड़ लगाई है। कश्मीर को लेकर भारत ने कहा है कि ध्प्ण् के पास भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। भारत ने आगे कहा है कि ध्प्ण् ने लाचार होकर खुद को पाकिस्तान द्वारा बंधक बनाए जाने की इजाजत दी है। जिनेवा में भारत के स्थायी मिशन में के फर्स्ट सेक्रेटर पवन ने भारत की बातों को काउंसिल में रखा है। पाकिस्तान और ध्प्ण् द्वारा लगातार कश्मीर पर बेतुके बयान देने के बाद भारत ने लताड़ लगाई है। भारत ने कहा है कि काउंसिल को

यह बात पता है कि पाकिस्तान मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है और भारत के भूभाग कर कब्जा किए हुए है। पाकिस्तान अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में नाकाम रहा है। हिंदू, सिख और ईसाई और अहमदिया जैसे समुदाय के साथ पाकिस्तान का रवैया दुनिया से छिपा नहीं है। यहां तक कि पाकिस्तान में गलत हो रहे चीजों पर सवाल उठाने पर पत्रकारों के साथ बुरा सुलूक किया जा रहा है।यूएन की 48वीं बैठक में भारत ने कहा है कि दुनिया पाकिस्तान को आतंकियों को खुले तौर पर समर्थन, ट्रेनिंग, पैसों से मदद करने के तौर पर जानती है। पाकिस्तान काउंसिल के मंचों का दुरुपयोग कर भारत के खिलाफ झूठे और दुर्भावनापूर्ण प्रचार करता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और भारत को पाकिस्तान जैसे असफल देशों से किसी तरह के सबक की जरूरत नहीं है जो दुनिया में आतंकवाद का केंद्र है।ओआईसी द्वारा कश्मीर मसले पर दिए गए बयान भारत से सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान अपने एजेंडे के लिए ध्प्ण् का इस्तेमाल करता रहा है। ऐसे में ध्प्ण् के सदस्य देश यह तय करें कि वह पाकिस्तान को ऐसा करने की इजाजत देते रहेंगे या नहीं।

खुफिया अधिकारियों ने दी जानकारी, अल-कायदा अमेरिका पर जल्द ही कर सकता है हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने बताया है कि आतंकी संगठन अल-कायदा को अमेरिका पर हमले की योजना बनाने में एक या दो साल लगेंगे। यह रिपोर्ट ब्लूमबर्ग ने दो वरिष्ठ अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के हवाले से दी है। अधिकारियों ने बताया है कि काबुल पर तालिबान के कब्जे जे बाद से अफगानिस्तान में अल-कायदा की गतिविधियां बढ़ गई है।

अगर यह किसी तरह का संकेत है तो आतंकी समूह एक या दो साल में फिर से मजबूत होकर हमला करने में सक्षम हो सकते हैं। बता दें कि अल-कायदा नेता अयमान-अल-जवाहिरी जिसके मृत होने की अफवाह थी उसे अल-कायदा द्वारा किए गए 9/11 के हमले की 20वीं वर्षगांठ पर देखा गया था। काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद से अफगानिस्तान को दुनिया में आतंक के अड्डे के तौर पर देखा जा रहा है। हालंकि तालिबान ने

कई बार कहा है कि वह अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल किसी देश के खिलाफ नहीं इस्तेमाल होने देंगे लेकिन सुरक्षा एजेंसियों को तालिबान के इस वादे पर भरोसा नहीं है क्योंकि तालिबान सरकार के कैबिनेट में कई प्रतिबंधित आतंकी मंत्री हैं। डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल स्कॉट बेरियर ने बताया है कि मौजूदा हालात के हिसाब से अल-कायदा एक से दो साल में हमला करने में सक्षम है। ऐसे में हम हर स्रोत और पहुंच के तरीकों के बारे में सोच रहे हैं।

गुजरात में पूरी तरह नई होगी सरकार

बड़े फेरबदल पर बढ़ी रार, आज होगा मंत्रियों का शपथ समारोह

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में बीजेपी नया सीएम बनाने के बाद अब शायद पूरी सरकार को ही नया करने की तैयारी में है। खबरें हैं कि पार्टी ने 90 फीसदी के करीब मंत्रियों को बदलने की तैयारी कर ली है। इसके चलते तमाम दिग्गज नेता नाराज बताए जा रहे हैं और आपसी सहमति न बन पाने की वजह से शपथ ग्रहण समारोह को ही टाल दिया गया है। अब भूपेंद्र पटेल के मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को दोपहर को 1:30 बजे होगा, जो आज ही दोपहर दो बजे होने वाला था। आज नाराज नेता पूर्व सीएम विजय रूपाणी के घर पहुंचे और नई सरकार में मंत्री न बनाए जाने को लेकर विरोध दर्ज कराया। फिलहाल पार्टी में मंथन जारी है और इस बीच समय लेते हुए शपथ समारोह को ही टाल दिया गया है। गुजरात भाजपा के प्रवक्ता ने सुबह ही ऐलान कर दिया था कि आज दोपहर 2 बजे मंत्रियों का शपथ समारोह होगा। यहां तक कि राजभवन में भी 15 सितंबर को शपथ समारोह के पोस्टर लग गए थे, जिन्हें दोपहर होने तक हटा लिया गया है। राज्यपाल के दफ्तर

ने भी शपथ समारोह को एक दिन के लिए टाले जाने की पुष्टि की है। गवनर्र आचार्य देवव्रत के ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी मनीष भारद्वाज ने कहा, 'मंत्रियों का शपथ समारोह गुरुवार को दोपहर 1:30 बजे होगा।' इससे पहले सुबह पार्टी प्रवक्ता यामल व्यास ने कहा था कि गांधीनगर में दोपहर 2 बजे मंत्रियों का शपथ समारोह होगा। कार्यक्रम को टालने को लेकर न तो बीजेपी और न ही सरकार की ओर से कोई वजह बताई गई है, लेकिन साफतौर पर फेरबदल से पैदा हुई नाराजगी को थामने को इसकी वजह बताया जा रहा है।

गुजरात बीजेपी के प्रभारी भूपेंद्र यादव बीते दो दिनों से गांधी नगर में डटे हैं और नए मंत्रियों के नाम फाइल करने के लिए मैराथन बैठकें कर रहे हैं। चर्चा है कि भूपेंद्र पटेल बड़ी संख्या में पुराने मंत्रियों को हटाना चाहते हैं और नए चेहरों को एंट्री मिल सकती है। शनिवार को विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को अकेले ही सीएम पद की शपथ ली थी। उनके साथ किसी मंत्री को शपथ नहीं दिलाई गई थी। इसी से साफ था कि मंत्रियों के नाम पर अभी मंथन चल रहा है और किसी बड़े बदलाव को अमलीजामा पहनाया जा सकता है।राज्य में डिप्टी सीएम नितिन पटेल समेत कई दिग्गज मंत्रियों के भविष्य को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी की ओर से एंटी-इन्कम्बैंसी फैक्टर से बचने के लिए 90 फीसदी तक मंत्रियों को हटाने की तैयारी है।

'आम आदमी' के नाम पर चुनाव जीतने वाला एक अरबपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। योनास गार स्तोर के चुनावी अभियान का नारा था, आम आदमी. लेकिन नॉर्वे के नए प्रधानमंत्री बनने जा रहे स्तोर एक अरबपति हैं जो पहली नजर में कहीं से भी आम आदमी नहीं लगते.सोमवार को आए शुरुआती नतीजों में विपक्षी वामपंथी गठबंधन के चुनाव जीतने की प्रबल संभावना बताई गई थी. इस सरकार का नेतृत्व 61 वर्षीय स्तोर के हाथों में हो सकता है, जिन्हें फिलहाल विभिन्न दलों के साथ गठजोड़ की कोशिशें करनी हैं. स्तोर का चुनाव अभियान नॉर्वे में असमानता दूर करने के नारे पर आधारित था. उन्होंने देश में अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई का मुद्दा उठाया. वैसे विकसित देशों में नॉर्वे सबसे समान समाजों में से एक है लेकिन अब तक सरकार में रही दक्षिणपंथी पार्टी के शासनकाल में देश में अरबपतियों की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है. विरासत के धनी अपने अभियान के दौरान स्तोर ने बार-बार कहा, ठअब आम लोगों की बारी है.ङ्ग हालांकि उनका यह नारा उनकी जिंदगी के उलट वह डेढ़ करोड़ डॉलर से ज्यादा की संपत्ति के मालिक हैं।

1 अक्टूबर से दिल्ली में बंद हो जाएगी प्राइवेट शराब की दुकानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में अक्टूबर से निजी शराब की दुकानें बंद हो जाएगी। एक अक्टूबर से 16 नवंबर के बीच यानि 47 दिन तक सिर्फ सरकारी दुकानों पर ही शराब की बिक्री होगी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया है कि नई नई आबकारी नीति के तहत दिल्ली को 32 जोन में बांटकर लाइसेंस आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अब दिल्ली में आगामी 17 नवंबर से नई आबकारी नीति के तहत दुकानें खेलेगी। इस दौरान यानि एक अक्टूबर से 16 नवंबर के बीच सिर्फ सरकारी दुकानों पर सरकारी दुकानों पर शराब की बिक्री होगी। इसपर होने वाले किल्लत पर सिसोदिया ने कहा कि यह ट्रांजिशन पीरियड होगा। ऐसे में सरकारी दुकानों पर बिक्री होगी तो दिक्कत नहीं आएगी। दिल्ली में वर्तमान में 720 से अधिक सक्रिय शराब की दुकानें है। इसमें 260 दुकानों का लाइसेंस निजी हाथों में दिया गया है जबकि 460 सरकारी दुकानें है। इसमें 88 दुकानें ऐसी है जिनमें सिर्फ देशी शराब की बिक्री होती है। सभी 32 जोन में लाइसेंस के आवंटन के बाद सरकार ने निजी शराब की

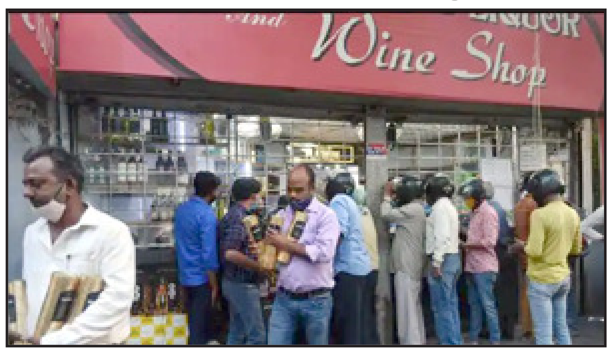

दुकानों का जो लाइसेंस 30 सितंबर तक के लिए बढाया था उसे अब आगे जारी नहीं करेगी। इसके चलेत एक अक्टूबर से सभी 260 शराब की दुकानें बंद हो जाएगी। इनकी जगह नई आबकारी नीति के तहत जारी लाइसेंसधारी 17 नवंबर से नई आबकारी नीतियों के तहत दुकानें खोलेंगे। इस तरह अक्टूबर से अगले 47 दिन तक दिल्ली में सिर्फ सरकारी दुकानों पर शराब की बिक्री होगी।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि कोविड के सयम जब हम आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे है। उस समय नई आबकारी नीति से हमें हर साल 3200 करोड़ रूपये का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। वर्तमान में नई आबकारी नीति के तहत लाइसेंस आवंटन से ही सरकार को 8900 करोड़ रूपये का राजस्व मिला है। दस्तावेजों के मुताबिक यह राजस्व सरकार के अनुमान 7042 करोड़ से 26.7 फीसदी अधिक है।

इसके अलावा नए ब्रांड की मंजूरी व अन्य एक्साइड ड्यूटी से भी सरकार को राजस्व मिलेगा। इस तरह कुल 10 हजार करोड़ का राजस्व मिलेगा। मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस नीति से ना सिर्फ सरकार का राजस्व बढ़ेगा जबकि एक्साइज की चोरी भी रूकेगी। इसके साथ दिल्ली में शराब माफियाओं को खत्म करने में मदद मिलेगी।

राहुल गांधी का सवाल- महात्मा गांधी के साथ हमेशा महिलाएं होती थीं, कभी मोहन भागवत के साथ देखा है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और इसके पैतृक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर जमकर बरसे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और आरएसएस महिलाओं को आगे नहीं आने देना चाहते। राहुल ने यह भी सवाल किया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीरों में आसपास 2-3 महिलाएं दिखती हैं, लेकिन मोहन भागवत की तस्वीर में कोई महिला क्यों नहीं दिखती हैं? राहुल गांधी ने कहा कि उनका (मोहन भागवत) संगठन आरएसएस महिला शक्ति को दबाता जबकि कांग्रेस संगठन महिला शक्ति को आगे बढाने का मंच देता है। गांधी ने कहा कि आरएसएस ने किसी महिला को प्रधानमंत्री नहीं बनाया लेकिन

कांग्रेस ने महिला को देश का प्रधानमंत्री बनाया है। भाजपा की सरकार ने घरों से लक्ष्मी और शक्ति को बाहर निकाल दिया है। सरकार ने ऐसी नीति लागू की है आज लोगों के पास पैसा ही नहीं है।

नोटबंदी, जीएसटी, कृषि कानून जैसी जन विरोधी नीतियां लागू कर इस सरकार ने लक्ष्मी की पूरी शक्ति अपने चार पांच लोगों को सौंप दी है।महिला कांग्रेस के स्थापना दिवस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा, ''जब आप महात्मा गांधी की तस्वीर देखते हैं, आप उनके आसपास 2-3 महिलाएं देखेंगे। क्या आपने मोहन भागवत की किसी महिला के साथ तस्वीर देखी है? क्योंकि उनका संगठन महिलाओं को दबाता है और हमरी पार्टी उन्हें मंच देती है।

किसानों के जीवन में परिवर्तन का आधार बनेगा पेप्सिको इण्डिया का प्लान्ट, युवाओं को मिलेगा रोजगार : सीएम योगी

मथुरा (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोसीकलां में लगा पेप्सिको इण्डिया का प्लान्ट किसानों के जीवन में परिवर्तन का आधार बनने के साथ नौजवानों को रोजगार देने का साधन बनेगा। पेप्सिको इण्डिया की कोसीकलां इकाई का वचुर्अल तरीके से उदघाटन करते हुए मुख्यमंत्री बुधवार को कहा कि आलू किसानों की उपज की दुर्दशा को देखकर उन्होंने चार साल पहले एक समिति का गठन किया था, जिससे उन अवसरों को खोजने को कहा गया था जिससे किसान आलू बेचने के लिए भटके नहीं तथा असहाय की स्थिति में न हो। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि किसानों की उन्नति की साझेदारी लेकर पेप्सिको

आया है। इस प्लांट में डेढ़ लाख टन आलू की खपत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्लांट में बनने वाला उत्पाद कृष्ण की ब्रजभूमि के प्रसाद के रूप में देश और दुनिया में जाएगा। उनका कहना था कि प्रदेश सरकार के मंत्री सतीश महाना एवं लक्ष्मीनारायण चौधरी की सकारात्मक सोच और परिश्रम के कारण खाद्य प्रसंस्करण का प्लांट कोसी में लगना संभव हुआ। योगी ने कहा कि यह प्लांट किसानों को आत्मनिर्भर बनाने एवं विकास की साझेदारी का मील का पत्थर बनेगा तथा किसानों और युवाओं की उन्नति का कारण बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शासन स्तर पर जिन सुविधाओं को पाने की पेप्सिकों की यह इकाई अधिकारी हैं उसके लिए इन्हें भटकना न पड़े।उन्होंने कहा कि यूपी न केवल देश का सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादन करने वाला राज्य है बल्कि प्रकृति और परमात्मा का यहां अनूठा संगम है, जिसके कारण यहां पर निवेश का अनुकूल वातावरण है। उन्होंने कहा कि आगरा और अलीगढ़ मण्डल के आठ जिलों में आलू बहुत होता है यदि यहां के किसानों को समय पर बीज और प्रशिक्षण करेंगे तो पेप्सिको की इस इकाई के साथ किसान को भी लाभ होगा। पूर्व में योगी ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण की यह आधुनिक इकाई किसानों की आय बढ़ाने का साधन बनेगी तथा इस इकाई के स्थापना में सरकार की सकारात्मक सोच दिखाई पड़ती है। कोसीकला में नकारात्मक सोच के कारण आठ साल पहले यहां पर दंगे हुए थे लेकिन जब सोंच सकारात्मक होती है तो निवेश बढ़ता है और आत्मनिर्भर बनने का वातावरण तैयार होता है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को डिफेन्स के क्षेत्र में अलीगढ में 1250 करोड़ के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। यह प्लांट में 800 करोड़ का है। यह प्लांट सरकार और निवेशकों की सकारात्मक सोंच का परिणाम है। इस अवसर पर मथुरा के प्रभारी मंत्री सतीश महाना ने पेप्सिकों को डेढ साल में प्लांट लगाने के लिए साधुवाद दिया।

खबर संक्षेप

दो ओवरलोड ट्रकों को पुलिस ने किया सीज

करछना। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज के निर्देशन में इन दिनो ओवरलोड़ वाहनों की खनन परिवहन के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में पुलिस अधीक्षक यमुनापार के नेतृत्व में गहन चेंकिग चल रही है।करछना पुलिस द्धारा स्थानीय सड़को पर रात में छापेमारी कर कई ओवरलोड़ वाहनों को दबोचा भी गया है।मंगलवार रात चेंकिग के दौरान गौहनिया पचदेवरा मार्ग पर चेंकिग के दौरान पुलिस ने दो ओवरलोड़ गिट्टी लदी ट्रकों को गिरफ्त में ले लिया।चालकों से माल और गाड़ी का प्रपत्र मांगे जाने पर नही प्राप्त हुआ।दोनों गाड़ियों को सीज कर खनन और परिवहन विभाग को सूचित भी किया गया है।इसके पूर्व भी बीती रात में कई वाहनों को चेक करने पर ओवरलोड़ पाया गया जिसे सीज करते हुए पुलिस ने कार्रवाई भी की।इसे लेकर कुछ दलालों और ट्रक मालिकों में हड़कंप मच गया जो उल्टे पुलिस पर ही मनमानी का आरोप लगा रहे है।फिरभी पुलिस पूरी सक्रियता के साथ ऐसे वाहनों पर कड़ी निगरानी करते हुए विधिक कार्रवाई कर रही है।छापेमारी पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह,उप निरीक्षक अजीत कुमार गुप्ता,कां आनंद सिंह,कां अखिलेश यादव मौजूद रहे।

मेजा ऊर्जा निगम : राष्ट्रीयकृत बैंको से किया 800 करोड़ का करार

● वित्तीय बुनियाद सुद्दढ़ करने के लिए हुआ करार ● ब्याज में सुधार के द्वारा हासिल की गयी बचत से वित्तीय स्थिति होगी मजबूत ● एनटीपीसी और यूपीआरवीयूएन पर निश्चित रूप से पड़ेगा प्रभाव

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी वित्तीय क्षमता को और मजबूत करते हुए और वर्किंग कैपिटल अवश्यकता की पूर्ति के लिए क्रमशः 300 करोड़ और 500 करोड़ रुपए की वर्किंग कैपिटल सुविधा के लिए राष्ट्रीय कृत बैंक आफ महाराष्ट्र और यूको बैंक के साथ करार किया है। करार पर एमयूएनपीएल के मुख्य वित अधिकारी नवनीत गोयल द्वारा हस्ताक्षर किए गए है। दोनों बैंको के प्रतिस्पधी ब्याज-दर पर इस सुविधा की सहमति दी गयी है, जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष पूर्व की ब्याज दरों की तुलना में एमयूएनपीएल को लगभग डेढ़ प्रतिशत की बचत होगी। ब्याज-दरों में सुधार के द्वारा हासिल की गई बचत का सी असर कंपनी की वित्तीय स्थिति पर पड़ेगा, जिसका प्रभाव कम्पनी के प्रमोटर अर्थात एनटीपीसी लिमिटेड और यूपी आरवीयूएन लिमिटेड दोनों पर

800 करोड़ रुपए का करार होने कु पश्चात खुशी जाहिर करते निगम के अधिकारी

निश्चित रूप से सकारात्म होगा। उल्लेखनीय है कि एमयूएनपीएल भारत की महारत्न ऊर्जा कम्पनी एनटीपीसी लिमिटेड और यूपी सरकार की यूपी आरवीयूएन लिमिटेड की 50-50 प्रतिशत की सहभागिता पर आधारित स्वामित्व वाली कम्पनी है। गौरतलब है कि सुपर क्रिटिकल तकनीक के चलते संयंत्र अत्यंत प्रतिस्पर्धी दरों पर ऊर्जा उत्पादन कर अल्प समयावधि में अपना परचम विद्युत-ऊर्जा पटल पर लहरा चुका है। एमयूएनपीएल का अपने सभी लाभार्थी राज्यों के साथ दीर्घ कालीन ऊर्जा क्रय समझौता (पी पी ए) है।

इस मौके पर एमयूएनपीएल की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश कुमार मुख्य महाप्रबंधक आरके कनौजिया, महाप्रबंधक अनिल कुमार, के साथ कम्पनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं यूको बैंक के महाप्रबंधक गौरी शंकर गुप्ता और बैंक ऑफ महाराष्ट्र के जोनल प्रमुख सक्सेना मौजूद रहे। दोनों बैंकरों ने कम्पनी के मजबूत बुनियादी सिद्धांतो पर पूरा भरोसा व्यक्त किया है।

अपराजिता महिला समाज की अध्यक्षा डा0 अंजली द्वारा साइकिल पाकर खुश जाहिर करती छात्राऐं।

मेजा ऊर्जा निगम ने मेधावी छात्राओं को किया साइकिल वितरण

निगम से साइकिल पाकर छात्राऐं हुई खुश, अपराजिता महिला समाज का किया आभार व्यक्त

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम के आर एण्ड आर विभाग एवं महिला समिति अपराजिता महिला समाज द्वारा आस पास के मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहित करने के साथ - साथ और अधिक समर्थ बनाने के लिए उनको बुधवार को साइकिल वितरित किया गया। साइकिल वितरण का कार्य श्रीमती रेखा गौतम वरिष्ठ सदस्या सयुक्ता महिला समिति एवं अध्यक्षा अपराजिता महिला समाज डॉ अंजली की उपस्थिती में किया गया। गौरतलब है कि इस दौरान डा0 अंजली ने अपने सम्बोधन में इस पहल कि सराहना करते हुए कहा कि इससे कमजोर सामाजिक आर्थिक स्थिति वाली बालिकाओं के सशक्तिकरण में मदद मिलेगी और उनकी शिक्षा और विकास को भी बल मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान अर्चना कनौजिया, अनुराधा शर्मा उप महाप्रबंधक आर एण्ड आर सी पी एस निरंजन, वरिष्ठ प्रबंधक मानव संसाधन गीतिका सिकरी एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

छिनैती : मार पीट कर 45 हजार और मोबाइल लूटा

अखंड भारत संदेश

विरोध करने पर बुरी तरह मार पीट का किया घायल

कोरांव। कोराव से घर लौटते समय तीन गुर्गो द्वारा मारपीट कर नगदी सहित स्कीन टच मोबाईल 9794082730 छीन लिया । और जाते समय गोली से जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना 13-09- 2021 सोमवार दिन के लगभग 11.00 बजे की है । कोराव थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रत्योरा का बब्बू लाल चमार पुत्र रामप्रसाद कोरांव से अपनी दुकान पियरी (कूदर) जा रहा था कि जैसे ही साजी ग्रा०पं० में संकरा पुल के पास पहुंचा ही था पीछे से एक ही बाइक सवार तीन लोगों ने अपनी बाइक सटाते हुए जाति सूचक गाली गलौज देने लगे। यह देख पीड़ीत कुछ समझ पाता कि वह अपनी बाइक घूमाकर पास में स्थित एक किराना दुकान दीनदयाल केशरी के घर के पास खड़ा हो गया ।तभी पीछे से तीनों अरुण कुमार सिंह पुत्र हीरामणि सिंह , दीलीप कुमार सिंह पुत्र स्व० रामबहादुर सिंह , धर्मेश सिंह पुत्र स्व० सुधाकर सिंह ने पहुंच कर पीड़ित के जेब में से पैतालीस हजार रु० नगद व स्कीन टच मोबाइल छीन कर लात घुसो से मारा पीटा तथा जाते समय जान से मारकर घर जला देने की धमकी भी दे गये। घटना की सूचना तत्काल 112 नंबर की पुलिस को दी।उसके बाद एक अभियुक्त धर्मेश सिंह को पुलिस बल के द्वारा गिरफ्तार कर धारा 151 के तहत छोड़ दिया गया। जिससे पीड़ीत को अभी तक न रुपये न मोबाइल मिल पाया। लूट के आरोपियों को गिरफ्तार न कर शांति भंग में चालान किए जाने का आरोप लगाया गया है।

सीएससी केंद्रों पर ई-श्रम कार्ड का हो रहा निशुल्क पंजीकरण

सीएससी केन्द्रों पर ई-श्रम कार्ड का निःशुल्क पंजीकरण कराते लोग

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ। पंचबन्धु कॉमन सर्विस सेंटर कल्याणपुर समेत अन्य सीएससी केन्द्रों में श्रमिकों के यूनिक आईडी ई-श्रम कार्ड सीएससी पोर्टल से बनाया जा रहा है।अगर आप असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक हैं और आपका न पीएफ कटता हो और न ही ईएसआईसी का लाभ मिलता हो। आपकी उम्र 16 साल से अधिक और 60 साल से कम है और इनकम टैक्स नहीं भरते तो फौरन ई-श्रम कार्ड के लिए अप्लाई कर दीजिए। बिना एक रुपये खर्च किए आप रजिस्ट्रेशन कराते ही दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा पाने का हकदार हो जाएंगे। इसके अलावा और भी बहुत कुछ इसके फायदे हैं। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संचालित सीएससी कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से पंजीकरण शूरु किये गए है जो किसी भी आम जन के लिए निःशुल्क है और साथ ही आप को पंजीकरण के बाद एक कार्ड प्रदान किया जायेगा इस मे पंजीकरण के बाद कार्ड धारक का एक साल के लिए 2 लाख का दुर्घटना बीमा भी निःशुल्क होगा जिसकी राशि सरकार देगी।

रजिस्ट्रेशन कराने का तरीका

सबसे पहले आपको नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाना होगा, वहां जाकर सीएससी संचालक को आपको अपना आधार कार्ड और बैंक पासबुक देनी होगी उसके बाद संचालक आपके पंजीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे ,

रजिस्ट्रेशन के लिए आधार नंबर डालते ही वहां के डाटा बेस से कामगार की सभी जानकारियां अपने आप पोर्टल पर सामने दिख जाएंगी। व्यक्ति को अपने बैंक की जानकारी के साथ मोबाइल नंबर समेत दूसरी जरूरी जानकारियां भरनी होंगी। इस ऑनलाइन फॉर्म को आगे अपडेट भी किया जा सकेगा। पंजीकरण के बाद व्यक्ति का यूनिवर्सल अकाउंट नंबर के साथ ई-श्रम कार्ड जारी हो जाएगा। रजिस्ट्रेशन के लिए सरकार ने 14434 टोल फ्री नंबर भी रखा है, जहां इससे जुड़ी तमाम जानकारियां ली जा सकती हैं। इस पोर्टल के जरिए राज्य सरकारें भी आपने कामगारों का रजिस्ट्रेशन करा सकती हैं। सीएससी जिला प्रबंधक चन्दन तुलस्यान तथा आशीष तिवारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि ई-श्रम पोर्टल पर असंगठित श्रमिकों के पंजीकरण के लिए विभिन्न शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी सीएससी संचालको द्वारा लगातार किया जा रहा है।

बारिश से धान की फसलों को नुकसान, किसान चिंतित

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। विकासखंड क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन हो रही बारिश ने किसानों मेहनत की कमाई से तैयार की गई धान की फसल गिरकर का नष्ट हो गई जिससे किसानों के चेहरे पर मायूसी छाई हुई है। जिस फसल के दम पर किसानों ने यह उम्मीद की थी कि जब फसल पूर्ण रूप से तैयार हो जाएगी तो इसके उपज के द्वारा पैदावार धान को बाजार में बेचकर अपने जीवन की गति को आगे बढ़ाने की उम्मीद पाल रखी थी वह सब इस बारिश में धराशाई हो गया जिसको लेकर क्षेत्रीय किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है अब सिर्फ यही उम्मीद की जा सकती है कि शासन द्वारा कुछ आर्थिक मदद मिल जाए।

बिजली विभाग की अघोषित कटौती से ग्रामीणों में आक्रोश

● बिजली कटौती के कारण पानी सप्लाई बंद, पानी के लिए दर दर भटक रहे लोग

अखंड भारत संदेश

लालापुर। जनपद के लालापुर क्षेत्र मे बिजली की बेतहाशा कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या लोगों को रूला दे रही है।ऊपर से रात भर लगातार ट्रिपिंग और अंधाधुंध विद्युत कटौती से लोग परेशान हो गए हैं। क्षेत्र में हो रही बेतहाशा विद्युत कटौती से जहां उपभोक्ता परेशान हैं वहीं बिजली विभाग के कर्मचारी कुछ बोलने को तैयार नहीं है। सुबह से शाम तक बिजली की अघोषित कटौती लगातार हो रही है, इस संबंध बिजली विभाग के जिम्मेदार कर्मचारी कुछ बता नहीं रहे हैं केवल रोस्टिंग का बहाना बनाकर उपभोक्ता का फोंन काट दिया जाता है।सबसे बड़ी समस्या पेयजल को लेकर हो रही है। विद्युत विभाग मनमाने तरीके से विद्युत कटौती कर रहा है।बिजली आ

भी रही है तो बार-बार ट्रिपिंग ने रुला कर रख दिया है। दिन में तो कटौती हो ही रही है रात में भी भीषण कटौती किए जाने से परेशानी और बढ़ती जा रही है। बिजली कटौती का कोई समय ही निर्धारित नहीं है। दिनभर में 15 से 20 बार बिजली ट्रिप हो रही है और रात भर ट्रिपिंग लगी रहती है,ट्रिपिंग बनने के नाम पर घंटो बिता देते है।लेकिन इस भीषण समस्या को देखने वाला कोई नहीं है।बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी परेशान हैं। और मौजूदा सरकार के खिलाफ जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।लालापुर क्षेत्र के अमिलिया से पानी की सप्लाई की जाती है लेकिन बिजली न होने के कारण क्षेत्र के सैकड़ों घरों में पीने के पानी के लिए भारी संकट हैं।

बिजली विभाग के मनमानी रवैये से उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश व्याप्त हैं।व्यापारियों का धंधा भी प्रभावित हो रहा है।तमाम लोग डायरिया व अन्य बीमारी की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। लालापुर क्षेत्र में बिजली के जर्जर तार व खंभों के सहारे मौत दौड़ रही है, जो आए दिन हादसे का कारण बन रही है।गर्मी के दिनों में किसानों की फसल जल रही है तो कहीं मवेशी व लोग बिजली की चपेट में आने से मर रहे हैं, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।स्थिति यह है कि पुराने जर्जर तार और कई जगहों पर तो खंभे झुक गए हैं उसी के सहारे बिजली आपूर्ति की जा रही है।नागरिकों की सुरक्षा भगवान भरोसे है।ऐसे में ग्रामीण पल-पल किसी बड़ी दुर्घटना से सहमे रहते हैं मगर विद्युत विभाग व जिला प्रशासन के लोग इस दिशा में मूक दर्शक बने हुए हैं।शायद उन्हें भी किसी घटना का इंतजार है।दीपक पाण्डेय लालापुर, अजय सिंह, अमर सिंह डेरा बारी, सूरज शुक्ला नौढिया तरहार, पप्पू गर्ग अमिलिया तरहार,दीपेश मिश्रा ग्राम प्रधान पंडुआ ने बताया कि क्षेत्र में कई जगहों पर हाईटेंशन तार के कई खंभे काफी दिनों से टूट कर झुके हुए हैं लेकिन आज भी बिजली इन्हीं खंभों के सहारे दौड़ रही है।प्रदेश सरकार आये दिन ग्रामीण इलाकों के लिए बिजली,पानी के लिए नई नई सुविधाएं मुहैया करा रही है लेकिन कुछ उच्च अधिकारियों के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में विकास केवल कागजों पर हो रहा है।

प्रबुद्ध वर्ग समाज का रीढ हैं जो राष्ट्र की विकास चाहता है : डॉ भगवत पांडेय

करछना। आगामी 18 सितंबर को यूनाइटेड़ इंजीनियरिंग कालेज सभागार में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को लेकर बुधवार को रामपुर में भाजपाइयों की एक बैठक हुई।अध्यक्षता राज बहादुर श्रीवास्तव और संचालन जिला महामंत्री राजेश शुक्ल ने किया।सम्मेलन के संयोजक डॉ.भगवत पाण्डेय ने कहा कि प्रबुद्धवर्ग समाज की रीढ़ है जो क्षेत्र और राष्ट्र के बहुमुखी विकास में अपनी सार्थक सोच,चिंतन और गतिविधियों से एक नई दिशा देने का काम करताहै।उन्होने जमुनापार के शिक्षाविद्, समाजसेवियों, प्रतिभाओं, लोककलाकारों, पत्रकारों, प्रतिभावान नौजवानों,साहित्यकारों और चिंतको को सम्मेलन में उपस्थित होने का आह्वाहनकिया। इस दौरान प्रदीप पाण्डे, पंकज द्विवेदी, अजय सिंह, नागेश्वर निषाद आदि मण्डल अध्यक्षों ने क्षेत्र के प्रबुद्धजनों से संपर्क कर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए रणनीति तय की। इस मौके पर जिला प्रतिनिधि श्रीराम त्रिपाठी, इं जगदीश यादव,विनोद प्रजापति, राम मनोहर लोहिया, अमित पाण्डेय, श्यामधर द्विवेदी, देवनाथ मिश्र, रामकृष्ण, राजेश पाण्डेय, विजय पाल, बृजेश द्विवेदी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

कांग्रेस का छठवें दिन बारिश के बीच क्रमिक अनशन जारी

करछना। यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव जितेंद्र तिवारी की अगुवाई में दर्जनों से अधिक कांग्रेसियों द्वारा करछना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने अपनी पांच सूत्रीय मांगों के पूरा न होने पर आज बुधवार को बारिश के बीच छठवें दिन भी क्रमिक अनशन पर बैठे रहे ! जिसके अनुसार बीस दिन पूर्व उपजिलाधिकारी करछना विनोद कुमार पांडेय को ज्ञापन सौंप कर बाढ़ प्रभावित गांवों के किसानों को फसल की नुकसानी का मुआवजा दिलाने, बेघर हुए लोगों को आवास मुहैया कराने, न्याय पंचायत स्तर पर गौशाला बनवाने, अघोषित बिजली कटौती बंद हो व बिजली के जर्जर तार बदले जाए, अरैल में सड़क निर्माण व लाइट की व्यवस्था के साथ बेंदो पनासा मार्ग व थरी गांव रोड की मरम्मत कार्य की मांग की है ! जिसके पूरा ना होने तक अनशनरत रहने की बात कहां है ! जिस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रंगराज सिंह, विकास सोनी, दिनेश सोनी, अरुण कुशवाहा, बड़कऊ यादव , आयुष मिश्रा, बनटू यादव , शहजाद उल हक, सोनू सिंह सुरेश पटेल , नागेश पाण्डेय आदि पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे !

गाजे बाजे के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा का हुआ विसर्जन

प्रयागराज। शिवनगर कालोनी अल्लापुर मे विघ्नहर्ता गणेश विनायक गणपति महाराज की वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विद्वत्ता के साथ विद्वानों एवं भक्तों द्वारा पूजन अर्चन किया गया।तत्पश्चात एक सप्ताह बाद बुधवार को गणेश महोत्सव के समापन पर मंत्रोच्चार और शंख ध्वनि के बीच गणपति की आरती उतारी गई।उसके बाद ढोल नगाड़े अबीर गुलाल एवं जयकारों के बीच गणपति की शोभायात्रा शास्त्री पुल के पास प्रयागराज पहुंची वहाँ बने तालाब में गणपति का विसर्जन किया गया।इस अवसर पर आयुष तिवारी, अक्षत दुबे, अखिल सिंह, अमन श्रीवास्तव, प्रशांत शुक्ला, प्रभात सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

गणपति बप्पा मोरया,मंगलमूर्ति मोरया रे,बप्पा मोरया रे...

जंघई। क्षेत्र के चनेथू शरीफाबाद गाँव में गणेश महोत्सव पंडाल में चतुर्थी से लेकर मंगलवार देर रात्रि तक गणपति गजानन महाराज का पूजन अर्चन भजन कीर्तन लगातार भक्तों द्वारा किया गया तत्पश्चात हवन आरती प्रसाद का वितरण कराया गया।पूरा क्षेत्र 5 दिनों तक भक्ति रस में सराबोर रहा।बुधवार सुबह गणपति विसर्जन के पूर्व गणपति प्रतिमा की आचार्य द्वारा विधि विधान से पूजा की गई तत्पश्चात पंडाल मे विघ्नहर्ता गणेश महोत्सव के समापन पर मंत्रोच्चार और शंख ध्वनि के बीच गणपति की आरती उतारी गई उसके बाद गणेश विसर्जन जयकारों के साथ गणपति की शोभायात्रा निकली और पास के जलाशय मे विसर्जन हेतु प्रस्थान किया। इस अवसर पर गणपति विसर्जन की बेला पर भक्तों के चेहरे पर भगवान की विदाई का कष्ट भी दिखाई दिया।गणपति महाराज के विसर्जन शोभायात्रा में आचार्य धरणीधर शुक्ला, आयोजक श्रीकांत दुबे के साथ शेषधर दुबे, गंगाधर दुबे, अजय दुबे, राजकुमार दुबे, पिंटू दुबे, दिलीप दुबे, नारायन दुबे, रोहित, सत्यम, अनुज सहित तमाम महिलाएं बच्चे मौजूद रहे।

हिंदी दिवस समारोह का आयोजन, कई लोग हुए सम्मानित

हिन्दी सिर्फ हमारी भाषा नहीं,राष्ट्र एवम संस्कृति की पहचान : ब्रजेश कुमार सिंह

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गत 14 सितंबर हिंदी दिवस 2021 के उपलक्ष्य में एक समारोह का आयोजन किया गया,जिसकी अध्यक्षता अंचल प्रमुख बृजेश कुमार सिंह बैंक ऑफ बड़ौदा महाप्रबंधक द्वारा बड़ौदा हाउस लखनऊ में आयोजित किया गया । इस अवसर पर लखनऊ अंचल के उपअंचल प्रमुख अशोक कुमार सिंह, नेटवर्क उपमहाप्रबंधक रंजीत कुमार झा टी पी सिंह, प्रतीक अग्निहोत्री सहायक महाप्रबंधक मानव संसाधन विभाग, गिरीश कुमार व सभी स्टाफ सदस्यगण मौजूद रहे । इस कार्यक्रम में गृह मंत्री व बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्य पालक अधिकारी संजीव चड्ढा के हिंदी

महाप्रबंधक बृजेश कुमार सहायक महाप्रबंधक गिरीश एवं विभाग के अन्य सदस्यों को पुरस्कृत करत

दिवस संदेशों का वाचन प्रसारित किया गया । अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बृजेश कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी सिर्फ हमारी भाषा नहीं है बल्कि हमारे राष्ट्र एवं संस्कृति की पहचान है । राष्ट्र के विकास में उक्त बैंक आर्थिक धुरी के रूप में काम कर रहा है । उसी तरह सांस्कृतिक एकता अखंडता और भारतीयता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं बल्कि इंटरनेशनल पटल पर भी भूमिका निभा रहा है ।

हिंदी माह के दौरान अंचल कार्यालय द्वारा आत्मनिर्भर भारत राजभाषा हिंदी पथ प्रदर्शक के रूप में विषय पर बेबीनार अंचल के समस्त स्टाफ के लिए ऑनलाइन बॉब कवि सम्मेलन पी पी टी प्रतियोगिता , ईमेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस अवसर पर हिंदी के माह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया । इसके साथ लखनऊ मेट्रो व जिला क्षेत्र में भी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । सभी प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण बृजेश कुमार सिंह अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक के द्वारा दिया गया । गिरीश कुमार ने सभी स्टाफ सदस्यों को हिंदी दिवस की शुभकामनाओं के साथ धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम को समाप्त करके की घोषणा की शिक्षा का मुख्य उद्देश्य

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य नौकरी पाना नहीं :अभिषेक

घूरपुर। शिक्षा मानव जीवन मे वह बहुमूल्य उपहार एवम वरदान हैं। जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को सरल एवम सुगम बना सकता हैं। इतना ही नहीं शिक्षा समाज मे नये आयामों के साथ देशप्रेम, आदर्श चरित्र के साथ अच्छे -बुरे का फर्क समझाती हैं। इसलिए सभी को शिक्षा की ओर कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। उक्त बातें विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर बारी बजहिया स्थित शैक्षिक संस्थान मे युवा समाजसेवी एवम इलाहाबाद अर्थशास्त्र के शोध छात्र ने गरीब बच्चों कों निःशुल्क पेन, किताब एवम कापी भेंट करने के दौरान व्यक्त किये। आगे उन्होंने यह भी कहा कि विगत कई वर्षों मे शिक्षा को नौकरी से जोड़कर देखा जाने लगा। जों सर्वथा अनुचित हैं। शिक्षा केवल नौकरी का साधन न होकर व्यक्ति के अधिकारो, कर्तव्यों, सदचरित्र कों बढ़ावा देने के साथ ही राष्ट्रभक्ति के गुणों का विकास करती हैं। इसलिए शिक्षा का मुख्य उद्देश्य नौकरी से तुलना करना बेमानी हैं।इस अवसर पर दो दर्जन से अधिक बच्चों मे निःशुल्क पाठय सामग्री का वितरण किया गया।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य राजकुमारी पटेल ने भी विद्यार्थियों को गुरुजनों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित की।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान बजहिया रामदुलार पटेल एवम संचालन विमलेश पटेल ने किया।उक्त अवसर क्षेत्र पंचायत सदस्य बुद्दन पाल, अनुराग पटेल, अंकित पटेल, रवि सिंह आदि लोग मौजूद रहें।

खबर संक्षेप

अनवरत बारिश ने थामी रफ्तार कार्यालयों में दिखा असर, घरों में कैद रहे लोग

प्रयागराज। अनवरत दो दिनों से हो रही बारिश के चलते शहर से लेकर गांवों में दिनचर्या में वारिश का पानी कहर बरपाया, लोगों को रोज की तरह अपने पेशे व कारोबार के कार्य में वारिश का पानी बांधा बना रहा ।सरकारी कार्यालयों में कार्य करने वाले लोगों को समय पर पहुंचना जहां जरूरी था वही समय से दफ्तरों में नहीं पहुंच सकें ।वहीं काम काज के लिए आने वालों में दिन भर संख्या बहुत कम दिखाई दी, बाजारो में में भी दिन भर सनांटा दिखाई पडा, बाजारो एवं मंडियों में खरीदारी पर बारिश के पानी का असर साफ दिखाई पडा ।यही हाल गांवो एवं मुहल्लो में रहा, लोग अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए भीगते पानी में कार्य निपटाने के लिए परेशान हुए । बारिश के चलते गांव से लेकर शहर तक कीचड़ जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो गई है जल निकासी के लिए बनाई गई परियोजनाओ की लम्बे समय से सफाई की व्यवस्था न होने से जगह-जगह पानी भर जाने से आवा गमन की असुविधा से राहगीरों को बेहद परेशानी का सामना करना पडा है ।

मैनपुरी में छात्रा के फांसी लगाने के मामले में हाईकोर्ट के सवालों का जवाब नहीं दे सके डीजीपी

● प्रयागराज न छोड़ने का निर्देश, गुरुवार को हाईकोर्ट ने दोबारा किया है तलब

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मैनपुरी में स्कूली छात्रा की संदिग्ध हालत में मौत के मामले में तलब किए गए डीजीपी बुधवार को हाईकोर्ट के सवालों का जवाब नहीं दे पाए। इससे नाराज कोर्ट ने उनको गुरुवार को फिर से तलब कर लिया है। कहा है कि आप आज प्रयागराज नहीं छोड़ेंगे और कल केस की पूरी जानकारी कर तैयारी के साथ फिर से हाज़िर हों। उनके साथ ही कोर्ट ने आईजी मोहित अग्रवाल और जांच कर रही एसआईटी के सदस्यों को भी हाज़िर रहने का आदेश दिया है।महेंद्र प्रताप सिंह की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश व न्यायमूर्ति ए के ओझा की खंडपीठ ने छात्रा की मौत को लेकर कोर्ट में हाजिर डीजीपी से कुछ

सवाल किए, परंतु वह उसका सही जवाब नहीं दे सके। इस पर कोर्ट ने कहा कि लगता है कि डीजीपी ने इस केस की फाइल को नहीं पढ़ा है। कोर्ट ने कहा कि जरूरी है कि वह 24 घंटे प्रयागराज में रहें और घटना की सही जानकारी के साथ फिर कल हाजिर हों।कोर्ट ने अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल और डीजीपी को ने घटना का वीडियो भी दिखाया। कहा कि वीडियो में जो दिख रहा है, उसके बाद पुलिस कैसे कह रही है कि यह खुदकुशी की घटना है। पुलिस के अनुसार 16 वर्षीय छात्रा ने फांसी लगा ली। किंतु उसके निजी अंगों व अंडरगारमेंट पर स्पर्म पाए गए हैं। इसके बावजूद पुलिस टीम अपराधियों तक पहुंचने में विफल रही है।इससे पहले कोर्ट ने 24 अगस्त 21 को इस मामले की केस डायरी मंगाई थी। मंगलवार को केस डायरी के साथ एसआईटी टीम के सदस्य हाईकोर्ट में हाजिर हुए। बताया कि 16 सितंबर 19 की घटना की एफआईआर 17 जुलाई 21 को दर्ज कराई गई है। कोर्ट ने कहा कि तीन माह बाद भी गंभीर आरोप के बावजूद अभियुक्तों से पूछताछ नहीं की गई। विवेचनाधिकारी ने देरी का कारण भी नहीं बताया।

मां ने लगाया था मारपीट कर फांसी पर लटकाने का आरोप

छात्रा स्कूल में फांसी पर लटकी मिली। मां ने परेशान करने व मारपीट कर फांसी पर लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फांसी के निशान के सिवाय शरीर पर चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। पंचनामा की फोटोग्राफी भी नहीं कराई गई है। सरकारी वकील ने बताया कि इस मामले में एसपी मैनपुरी को निलंबित कर जांच बैठाई गई थी, मगर जांच पूरी होने से पहले की वह रिटायर हो गए। कोर्ट ने कहा था कि एसपी के रिटायर होने से पहले कार्रवाई क्यों नही की गई। डीजीपी एक्शन लेकर बताएं कि उन्होंने क्या किया।

बिना एफ आई आर पढ़े ही डीजीपी पहुंचे हाई कोर्ट

डीजीपी बुधवार को हाईकोर्ट पहुंचे तो अदालत के सवालों का ठीक से जवाब नहीं दे सके। अदालत ने उनसे पूछा कि क्या आप ने एफआईआर पढ़ी है, उसमें क्या लिखा है तो डीजीपी कुछ बता नहीं सके। इस कोर्ट ने कहा कि लगता है आप को किसी ने बताया नहीं कि आप को यहां किसलिए बुलाया गया है। आप इस मामले की जानकारी हासिल करिए। वीडियो में दिखाते है कि क्या हुआ है। इसे देखने के बाद आप कैसे कह सकते हैं कि यह सिर्फ खुदकुशी का मामला है। कोर्ट ने कहा सिर्फ पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कुछ नहीं होने से क्या होता है। हमें पता है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट कैसे बन जाती है। कोर्ट ने डीजीपी से कहा, आप आज यहीं प्रयागराज में ही रुकिए और पूरी जानकारी लेकर कल फिर आइए।

पत्नी को गुजारा भत्ता देने का आदेश हुआ तो गायब हो गया पति

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पत्नी को गुजारा भत्ता देने का कोर्ट ने आदेश दिया तो इससे बचने के लिए पति ही गायब हो गया। हाईकोर्ट ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए पुलिस अधिकारियों को फटकार लगाई है। साथ ही जिला जज वाराणसी और पुलिस कमिश्नर से पूछा है कि कितने ऐसे मामले हैं, जिनमें गुजारा भत्ते का भुगतान नहीं हो रहा है। पांच साल पहले वाराणसी की अदालत ने घरेलू हिंसा केस में पति अरविंद उपाध्याय को अपनी पत्नी व बेटी को अलग कमरे में रहने देने व एक हजार रुपये गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ पति ने हाईकोर्ट की शरण ली। हाईकोर्ट से अंतरिम आदेश मिलने के बाद 9 अप्रैल 17 से वह लापता हो गया। हाईकोर्ट ने पुलिस को याची की तलाश कर पेश करने का कई बार आदेश दिया। डीआईजी ने पुलिस सर्च टीम भी गठित की। फिर भी याची का पता नहीं चल सका। उधर याची के पिता ने अर्जी दाखिल कर कहा कि घरेलू विवाद के चलते उसका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। कहां गया पता नहीं। पत्नी ने बताया कि कई बार पुलिस को पति की सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले वह वहां से गायब हो गए। इसपर कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर वाराणसी से व्यक्तिगत हलफनामा मांगा है कि एफआईआर दर्ज है तो पुलिस लापता याची का पता क्यों नहीं लगा पा रही। साथ ही पुलिस कमिश्नर को याची व उसके पिता की संपत्ति का पता लगाने और याची की पत्नी के वहां रहने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।, कोर्ट ने जिला न्यायाधीश वाराणसी व पुलिस कमिश्नर से पूछा है कि ऐसे कितने मामले हैं, जिनमें गुजारा भत्ते का भुगतान नहीं हो रहा और सम्मन तामील नहीं हो पाया है। कोर्ट ने याचिका दायर करने वाले वकीलों अल्का सिंह व विपिन कुमार सिंह को अगली सुनवाई की तिथि 29 सितंबर को कोर्ट में मौजूद रहने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजूरानी चौहान ने अरविंद उपाध्याय की याचिका पर दिया है। मामले के अनुसार प्रियंका उपाध्याय ने घरेलू हिंसा कानून के तहत वाराणसी की अदालत में केस कायम किया। कोर्ट ने गुजारा भत्ते के आदेश का एसएचओ सारनाथ को पालन कराने का निर्देश दिया। अधीनस्थ अदालत के आदेश को पति ने हाई कोर्ट में चुनौती दी जिसमें स्थगनादेश पारित किया गया। पत्नी की अर्जी पर हाईकोर्ट ने याची के अधिवक्ता से याची को हाजिर करने के लिए कहा तो बताया कि वह 9 अप्रैल 17 से लापता है। 16 मई 18 को एफआईआर दर्ज कराई गई है। तब से पुलिस तलाश कर रही है और पता नहीं लगा सकी। कोर्ट ने डीआईजी वरुणा जोन के सर्च टीम गठन को प्रथम द्रष्टया ड्रामा करार दिया। कहा माडर्न सुविधाएं होने के बावजूद पुलिस लापता की तलाश नहीं कर पा रही। कोर्ट ने कहा कि पति लापता है तो सास-ससुर को अपनी बहू व पोती की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जा सकता। याचिका की सुनवाई 29 सितंबर को होगी '।

गहमागहमी के बीच हुए चुनाव में प्रतापपुर प्रधान संघ के अध्यक्ष बने राजेश यादव

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। विकास खंड प्रतापपुर में बहुप्रतीक्षित प्रधान संघ का चुनाव संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्रिपाठी की उपस्थिति में गहमागहमी के बीच सम्पन्न हुआ।सदरेपुर के ग्राम प्रधान राजेश यादव 41 मत पाकर विजयी घोषित हुए दूसरे स्थान पर बरेस्ता के ग्राम प्रधान हरिप्रताप सिंह 29 मत वही भेलखा की ग्राम प्रधान अनीता देवी 9 मत पाकर तीसरे स्थान पर रही।पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष लालचन्द्र यादव की अध्यक्षता एवं पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष राधेश्याम भास्कर के संचालन में तत्काल प्रधान संघ का गठन किया गया।अध्यक्ष-राजेश कुमार यादव, उपाध्यक्ष-अली बाकर, महामंत्री-अनीता गौतम, मंत्री-संतोष कुमार पटेल, मंत्री-गेना देवी, कोषाध्यक्ष-विजय बहादुर यादव, मीडिया प्रभारी-जय कुमार यादव, विधिक सलाहकार-राजितराम यादव, विशिष्ठ सदस्य-कमल सिंह, दीपक यादव, ज्योयी पाल,चुने गये।इस मौके पर प्रधान संघ के अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि ग्राम प्रधानों के समस्याओं के निस्तारण के हमेशा संघर्ष करूँगा और प्रधानों की आवाज बनकर लड़ूंगा।इस मौके पर कृष्ण कुमार यादव, राजाराम पटेल, भानू प्रताप यादव, मो.आसिफ, राजबहादुर यादव आदि प्रधानगण उपस्थित रहे।

गहमा गहमी के बीच हुए चुनाव में प्रतापपुर प्रधान संघ के अध्यक्ष बने राजेश यादव समर्थकों के साथ

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव पर सुनवाई आज

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर संतोष कुमार मिश्र व अन्य अधिवक्ताओं की जनहित याचिका की सुनवाई 16 सितंबर को होगी। इससे पहले कोर्ट ने दोनों पक्षों के पांच-पांच वरिष्ठ अधिवक्ताओं की नामित टीम को बैठकर मसले का हल निकालने के लिए कहा था। याचिका की सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एम एन भंडारी तथा न्यायमूर्ति एके ओझा की खंडपीठ ने बाईलाज के नियमों के तहत हल निकालने का समय दिया था। याचीगण की तरफ से पांच वरिष्ठ अधिवक्ताओं के नाम देते हुए बैठक बुलाने का अनुरोध किया गया। याची का कहना था कि बार एसोसिएशन के पदाधिकारी चुनाव टालने के लिए हथकंडे अपना रहे हैं। 21 सितंबर को बैठक की सूचना दी गई है, जबकि कोर्ट ने 15 सितंबर तक मसले का हल निकालने का समय दिया था।याची का यह भी कहना है कि बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी का एक वर्ष का कार्यकाल 5 अगस्त को समाप्त हो गया है। विशेष स्थिति में एल्डर कमेटी की अनुमति से 5 सितंबर तक चुनाव कराने की छूट दी गई है। बाई लाज के अनुसार यदि कार्यकाल समाप्त होने के एक माह बाद भी चुनाव नहीं करा पाते तो एल्डर कमेटी अगले एक माह में चुनाव कराएगी और बार एसोसिएशन के सारे अधिकार एल्डर कमेटी में निहित हो जाएंगे।

शंकरगढ़ में दो दिवसीय कृषि पाठशाला का समापन

जिला कृषि अधिकारी ने किया निरीक्षण, किसानों को दिए सुझाव

अखेंड भारत संदेश

शंकरगढ़। किसानों की समस्याओं का निराकरण करने और कृषि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के उद्देश्य से यमुनापार के शंकरगढ़ में किसान पाठशाला का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों को कृषि यंत्रीकरण, सम्मान निधि, उर्वरक पर मिलने वाली छूट समेत विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई, साथ ही खेती-किसानी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया गया। किसान पाठशाला के अंतिम दिन जिला कृषि अधिकारी सुभाष मौर्य ने किसानों से मुलाकात कर उन्हे खेती-किसानी में तकनीकों के प्रयोग की सलाह दी।

किसान पाठशाला का आयोजन विकास खंड शंकरगढ़ के ग्राम लखनपुर के प्राथमिक विद्यालय में किया गया था। कृषि विभाग द्वारा संचालित किसान कल्याण मिशन के तहत आयोजित किसान पाठशाला के दूसरे दिन जिला कृषि अधिकारी सुभाष मौर्य ने पाठशाला का निरीक्षण कर किसानों से बातचीत की। उन्होंने किसानों विभागीय योजनाओं कृषि यंत्रीकरण, बीज वितरण, सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और पराली प्रबंधन की विस्तार से जानकारी दी।, सुभाष मौर्य ने बताया कि विकास खंड शंकरगढ़ की दस न्याय पंचायतों के दस गांवों में किसान पाठशाला का आयोजन किया गया है। इस आयोजन के जरिए किसानों की समस्याओं का समाधान करने, उनकी समस्याओं को समझना और योजनाओं का लाभ प्रदान करना है। इस मौके पर कृषि सहायक मुकेश सिंह, प्रधान रामजतन, किसान कैलाशनाथ सिंह, शांति देवी, गिरिज देवी, अविनाश सिंह, अमित सिंह, सुमित, अभिषेक सिंह, रघुनाथ सिंह, बृजलाल सिंह आदि मौजूद रहे।

किसान पाठशाला में किसानों को जानकारी देते

पंचायत सचिवों व प्रधानो का डोंगल एक्टिवेट न होने से विकास कार्य में हो रही बाधा

अखंड भारत संदेस

करछना। उत्तर प्रदेश सरकार ने गांवो में विकास कार्य को बढावा देने के लिए बीते छ महीने पहले पंचायत चुनाव करा चुकी है के बावजूद गांवो के विकास की धुरी कहें जाने वाले मुखिया प्रधानो के हाथ खाली पड़े हैं । इसे सरकारी तंत्र की लापरवाही कहें या सरकार की नाकामी ।

विकास खंड करछना में अस्सी ग्राम पंचायतों में लगभग सभी पंचायतों में डोंगल एक्टिवेट न होने की वजह से विकास कार्य की धुरी ठप हैं, वित्तीय अधिकार विहीन होने की समस्या उत्पन्न होने के कारण गांव के विकास की धुरी कहें जाने वाले मुखिया प्रधान प्रति ब्लाक के संक्षम अधिकारियों के दफ्तरों की गणेश परिक्रमा कर रहे हैं । वहीं दूसरी ओर अधिकांश ग्राम पंचायतों में अभी खाते तक नहीं खुल सकें है, कारण

अधिकारियों की लचर व्यवस्था से उत्पन्न हुई समस्या

पंचायत सचिवो को चार्ज नहीं लिए गए हैं, सिर्फ मौखिक आदेश पर उन्हे निर्देशित किया गया है । पंचायत सचिवो को भी छ महीने बाद हो गयें पंचायत चुनाव के बाद भी दर्जन भर से अधिक गांवो में वित्तीय अधिकार से वंचित रक्खा गया है । विकास कार्य की बात कोशों दूर की बात है । कुछ ग्राम पंचायतों में प्रधानो द्वारा लाखों रुपए के उपर नाली खडंजा, इंटर लॉकिग आदि कार्य कराया हैं, वे भी महिनों से वे भी डोंगल एक्टिवेट न होने की वजह से भुगतान केलिए काफी हद तक अपने जेब से खर्च करके,डोंगल एक्टिवेट होने का इन्तजार कर रहे हैं । अभी तक जो भी कार्य कुछ गांवो में कराए गए हैं वह सिर्फ मनरेगा कार्य तक सीमित है।

अंधविश्वास के मकड़जाल में आज भी फसा है चायल तहसील का बलीपुर टाटा गांव

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। एक ओर जहां डिजिटल इंडिया के तहत देश तरक्की की नित्य ऊंचाइयों की बुलंदी छू रहा है, वहीं दूसरी तरफ जिले के लोग अब भी अंधविश्वास के मकड़जाल से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। इसका जीता जागता हाल चरवा कोतवाली के बलीपुर टाटा गांव में देखने को मिला ' आपको बताते चलें कि दो दिन पहले सर्पदंश से मृत किशोर के शव को जिंदा करने की आस में उसकी लाश को दो दिन तक एक तांत्रिक ने तमाशा बना कर रख दिया 'बुधवार को जब शव से दुर्गंध उठने लगी तो परिवार के लोगों ने सारी उम्मीद खो दी। वही झांड़-फूंक के सहारे किशोर को जिंदा करने का दावा करने वाला तांत्रिक मौके से भाग निकला। दोपहर बाद शोकाकुल माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चायल तहसील के बलीपुर टाटा निवासी प्रीतम उर्फ पप्पू सेन गांव के ही चौराहे पर सैलून की दुकान चलाता है। दुकान में उसके साथ उसका 16 वर्षीय बेटा अंकित सेन भी काम करता था। सोमवार को दुकान बंद करके पिता-पुत्र घर लौटे। खाना खाने के बाद परिवार के सभी सदस्य सो गए। देर रात अंकित को सर्प ने डंस लिया। जानकारी होने पर अंकित ने शोर मचाया तो परिवार के लोगों को घटना की जानकारी हुई। परिजन अंकित को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के बजाय किसी तांत्रिक के पा ले गए। घरवालों का कहना है कि तांत्रिक ने झांड़-फूंक के सहारे बच्चे को जिंदा करने का दावा किया। इसके बाद परिजन तांत्रिक के कहने पर शव लेकर घर आ गए। यहां उसकी लाश रखकर झाड़फूंक की जाने लगी। बुधवार सुबह तक तांत्रिक ने झाड़फूंक का हवाला देकर अंकित के जिंदा होने की बात कही। इस दौरान शव से दुर्गंध उठने लगी तो वह बाद में चुपके से भाग निकला। घरवालों को जब मौत का यकीन हुआ तो कोहराम मच गया। बुधवार दोपहर शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना से पीड़ित परिवार में कोहराम है।

सर्पदंश से मृत किशोर को जिंदा करने के लिए तांत्रिक ने दो दिन किया तमाशा

चित्र बनाकर छात्रों ने गंगा स्वच्छता का दिया संदेश

चित्रकला प्रतियोगिता में उत्साहित छात्र

गंगा का संरक्षण व आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला गंगा समिति एवं नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज व पंचायती राज विभाग द्वारा ब्लॉक कौड़िहार के गंगा गांव सराय दादन के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गंगा का संरक्षण व आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला गंगा समिति एवम नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज व पंचायती राज विभाग द्वारा आज ब्लॉक कौड़िहार के गंगा गांव सराय दादन में पूर्व माध्यमिक विद्यालय में गोष्ठी , चित्रकला प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक पौधारोपण समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया ।वन विभाग से रेंज वन अधिकारी बलवंत बहादुर सिंह, पंचायती राज विभाग से एडीओ पंचायत अनिल पाल, एडीओ पंचायत अरुण यादव,ग्राम विकास अधिकारी सत्येंद्र सिंह एनवाईकेएस डीपीओ एषा सिंह मौजूद रहीं । कार्यक्रम का संचालन गंगा दूत अमित द्विवेदी द्वारा किया गया। स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर एवं स्पीयर हेड मेंबर राजेंद्र दुकान जी द्वारा गंगा स्वच्छता पर ज्ञानवर्धक जानकारी साझा की ।उपस्थित सभी अधिकारियों ने गंगा संरक्षण व स्वच्छता पर अपने विचार प्रकट किए। सभी छात्रों ने चित्रकला प्रतियोगिता में उत्साह के साथ प्रतिभाग किया एवं रेंज वन अधिकारी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । आजादी के अमृत महाउत्सव व गंगा संरक्षण थीम पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चों को मनोरंजक तरीके से जागरूक किया गया ।जिला परियोजना अधिकारी द्वारा सभी बच्चों को गंगा एवं ताल तालाब संरक्षण का महत्व ,पौधारोपण, जलीय जीव , कूड़ेदान का सही उपयोग इत्यादि के बारे में विस्तार रूप से बताया गया साथ में ,'रग रग में गंगा' कार्यक्रम देखने हेतु प्रोत्साहित किया ।विद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया ' जिसमें कई तरह के पौधे रोपित रोपित कर पर्यावरण संरक्षण हेतु उचित संदेश दिया गया ' कार्यक्रम में प्रधान गेंदा देवी ,अध्यापिका ममता कुमारी, सरिता यादव वनरक्षक हिमांशु त्रिपाठी , के के त्रिपाठी , जादूगर नागेंद्र प्रताप मौजूद रहे।

पुनः विश्वगुरू बनने व नेतृत्व की क्षमता है भारत में : आशुतोष सिंह मोहित

अखंड भारत संदेस

करछना। भारत मे जो आज पुनः विश्वगुरु बनने व विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता आई है उसे हम विपक्षियों व किसानों के नाम पर आन्दोलन कर रहे षड्यंत्रकारियों के कुचक्रो से बचाकर किसानों को जागरूक करना होगा। जिससे हम पुनः विश्वगुरू बन सके हमे सरकार के योजनाओं को किसानों तक पहुंचाना होगा। उसके बाद 2022 और 2024 मे पुनः भाजपा की सरकार बनाने से कोई विपक्षियो का षणयंत्र नही रोक पाऐगां। किसान मोर्चा को मोर्चाओ का महामोर्चा बनाकर काशी क्षेत्र के 16 जिलो मे एक नम्बर पर बनाकर दम लूंगा। उक्त बातें मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष व यमुनापार जिला प्रभारी आषूतोष सिंह मोहित ने भाजपा यमुनापार किसान मोर्चा के जिला कार्यसमिति बैठक मे बुधवार को सावित्री देवी महिला महाविद्यालय घटवा,सोनाई करछना मे पदाधिकारियों और कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कही। और आगामी योजना के तहत 71 जवान और किसानों को सम्मानित करने लखनऊ में होने वाले किसान सम्मेलन के योजनाओं के साथ प्रदेश और केंद्र के सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष शोभ नारायण द्विवेदी ने करते हुए बरसात मे भी कार्यकताओं के पहुंचने पर आभार व्यक्त करते हुए संगठनात्मक जानकारी कार्यकताओं को देते हुए संबोधित किया। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष यमुनापार अरुण कुमार सिंह पप्पू ने अतिथियों का स्वागत अभिनंदन करते हुए पूरे विषय को रखकर पूरे यमुनापार भाजपा किसान मोर्चा के टीम को किसानों के हितों के लिए स्यमं के साथ समर्पित रहने का आश्वासन देते हुए योगी सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को किसानों तक पहुचाने का संकल्प लेकर सभी का आभार जताया। इसके पूर्व पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन बन्देमातरम् गायन से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया व राष्ट्रगायन के साथ समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री तारा शंकर पाण्डेय व जिला महामंत्री आदेश सिंह ने संयुक्त रूप से किया। किसान मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी गिरीश कुमार चतुवेर्दी ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर पदाधिकारियो का अभिनदंन भी किया जिला जिसमे उपाध्यक्ष राकेश सिंह, राजेश शुक्ला, ह्रदयेश मिश्र, आशीष मिश्रा, कृष्ण चन्द्र पटेल, गिरीश कुमार,अजय कुशवाहा, अशोक सिंह, देशराज गौतम, रोहित सिंह आदि के साथ जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य,मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

भाजपा यमुनापार किसान मोर्चा के जिला कार्यसमिति की बैठक में बोलते आशुतोष सिंह मोहित

कोविड-19 के 50 सेवाव्रती वीरों को सम्मान पत्र देकर किया गया सम्मानित

मेडिकल कालेज के सभागार में हुआ भव्य कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारत विकास परिषद विशाल द्वारा कोविड-19 की दूसरी लहर के समय उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले 50 सेवाव्रती वीरों का अंगवस्त्रम तथा सेवा समर्पण सम्मान पत्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ के सभागार में सम्पन्न हुआ।

सम्मान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानवता एवं राष्ट्र की सेवा का संकल्प महान है। भारत विकास परिषद की प्रारंभ से ही इसके प्रति प्रतिबद्धता रही है। आज सेवा समर्पण सम्मान से विभूषित ये

व्यक्ति पर अवश्य ही आगे भी सेवा के लक्ष्य को अतिरिक्त समर्पित भाव से पूरा करने के लिए संकल्पित होंगे। यद्यपि सच्चे सेवाव्रती किसी सम्मान की अपेक्षा के बिना ही अपने लक्ष्य पर डटे रहते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डाक्टर आर्य देशदीपक तथा प्रान्त प्रचार प्रमुख रामचंद्र जी रहे। सम्मानित सेवाव्रती इन वीरों ने कोविड महामारी की दूसरी लहर की विभीषिका में स्वयं अपनी जान की परवाह न करते हुए कोविड रोगियों तथा उनके साथ रहने वालों की सेवा के लिए दवा, भोजन, आवश्यक सामग्री इत्यादि का प्रबंधन किया। संस्था के अध्यक्ष धीरेंद्र नारायण चड्ढा तथा सचिव गोविंद प्रसाद खंडेलवाल ने अतिथियों को पुष्प देकर स्वागत किया। उपाध्यक्ष गिरजा शंकर मिश्र ने आभार प्रदर्शन किया तथा कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष डॉक्टर पीयूष कांत शर्मा ने किया। कार्यक्रम में परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रताप कुंदनानी, पूर्व अध्यक्ष उदयभान सिंह, जिला संघचालक चिंतामणि, विभाग कार्यवाह हरीश, विभाग प्रचारक प्रतोष, डॉक्टर सौरभ पाण्डेय, नितेश खंडेलवाल, शरद केसरवानी, अवधेश मिश्रा आदि प्रमुख रूप से

कालेज के प्रधानाचार्य की अंत्येष्टि में उमड़ा जनसैलाब

दुर्घटना में हुई मौत की खबर पर शोक की लहर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विकास खंड सांगीपुर स्थित ग्राम मुरैनी (पूरे सिकंदर) में स्थापित जयमूर्ति सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य 35 वर्षीय विकास सिंह उर्फ दरोगा की दुर्घटना में मौत की खबर मिलने पर पूरे जनपद में शोक की लहर दौड़ गई। शोक संवेदना प्रकट करने वालों का तांता लग गया।

जानकारी के अनुसार 14 सितंबर को विकास सिंह उर्फ दरोगा अपने विद्यालय के कार्य से अपनी मोटरसाइकिल से अकेले सगरा सुंदरपुर गए थे। वापसी के समय लालगंज अझारा के पूरब पेट्रोल टंकी के पास स्थित टेंढुई मोड़ पर फिसल कर स्वयं के गिर जाने से उन्हें सिर पर गंभीर चोट आई। घायलावस्था में उन्हें इलाज हेतु जिला अस्पताल रायबरेली में भर्ती कराया गया।

लेकिन वहां के चिकित्सक उनकी जान बचाने में सफल नहीं हो सके। मृत घोषित होने के पश्चात रात्रि में शव का पोस्टमार्टम कराया गया और रातों-रात उनका पार्थिव शरीर ग्राम मुरैनी (पूरे सिकंदर) स्थित निवास पर लाया गया। इस दौरान स्वतंत्र कवि मंडल सांगीपुर के संरक्षक यज्ञ नारायण सिंह अज्ञेय के कनिष्ठ पुत्र विकास सिंह उर्फ दरोगा को अंतिम विदाई देने के लिए लब्ध प्रतिष्ठित कथाव्यास आचार्य पंडित सुभाष चंद्र त्रिपाठी(अमेठी), पूर्व न्यायाधीश इंद्र बहादुर सिंह (इलाहाबाद), उत्तर प्रदेश प्रौढ़ शिक्षा के सहायक निदेशक शिक्षाविद पंडित भवानी शंकर उपाध्याय, सदर विधायक राजकुमार पाल, भाजपा नेता ओमप्रकाश पांडे गुड्डू, सेवानिवृत्त शिक्षक वीरेंद्र कुमार मिश्र एवं मनो विश्राम मिश्र, कविकुल अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता परशुराम उपाध्याय सुमन, उच्च न्यायालय लखनऊ के वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र सिंह, डॉ अजित शुक्ल (कानपुर), फतेह चंद्र सिंह(रायबरेली) सहित हरि भवन सिंह, प्रधानाचार्य सुरेश सिंह, युवा नेता कांग्रेस सूबेदार सिंह चौहान, प्रधानाचार्य सुधाकर पांडेय, कांग्रेस नेता राम बोध मिश्रा समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

गणपति महोत्सव में उमड़ी भीड़ भंडारे का महाप्रसाद लिया

सिविल लाइंस मोहल्ले में हुआ धार्मिक कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर के सिविल लाइंस इलाके में वीमार्ट कॉम्प्लेक्स के नीचे मंगलवार को गणपति महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सुंदरकांड और महाआरती के बाद हुये विशाल भंडारे में सैकड़ों की भीड़ उमड़ी, जिसमें आमजन से लेकर विशिष्ट लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। जिला अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डॉक्टर मनोज खत्री के आयोजकत्व में हुआ भंडारा देर रात तक चला। इसके पूर्व सुंदरकांड पाठ और महाआरती हुई।समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को बांटने का लोगों का अपना तरीका होता है। डॉक्टर मनोज ने खुशियों को बांटने के लिये भंडारे को अपना माध्यम चुना। दो दशक पहले से ही भंडारे का आयोजन और महाप्रसाद बांटने का सिलसिला चल रहा है, जिसमें साल भर में तीन भंडारा होना ही है। गणेश चतुर्थी महोत्सव भंडारे के महाप्रसाद में शामिल सीएमओ डॉक्टर एके श्रीवास्तव का कहना था कि इस तरह के आयोजन से लोगों को एक दूसरे का मिलना भी हो जाता है। इस मौके पर सर्जन डॉक्टर घनश्याम, मेडिकल स्टोर एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र सिंह, पूर्व सीएमएस आरडी द्विवेदी, मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉक्टर आर्य देश दीपक के अलावा कई लोग मौजूद रहे।

अखिलेश सिंह बने लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी के निष्ठावान सिपाही के रूप में वर्षों से काम करते हुए पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने वाले मान्धाता विकास खण्ड के गॉव पूरे सुखदेव के मूल निवासी युवा समाजवादी कार्यकर्ता अखिलेश सिंह यादव को समाजवादी लोहिया वाहिनी का प्रदेश सचिव नामित किये जाने पर समर्थकों ने खुशी का इजहार करते हुए पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है।

एटीएस ने प्रतापगढ़ से संदिग्ध आतंकी को पकड़ा

प्रतापगढ़। दिल्ली में पकड़े गये छह आतंकियों के तार यूपी के प्रतापगढ़ से जुड़े होने की खबर से हड़कंप मच गया है। दिल्ली पुलिस सेल और यूपी एटीएस की टीम ने महेशगंज थाना क्षेत्र के डिहवा जलालपुर गांव में मंगलवार को पहुंची दिल्ली पुलिस और यूपी एटीएस की टीम इम्तियाज नाम के शख्स को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। पुलिस का आरोप है कि इम्तियाज के संबंध पकड़े गये आतंकियों और मुंबई अंडरवर्ल्ड के लोगों से है। रायबरेली से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी मूलचंद उर्फ साजू से उसकी दोस्ती की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की है। हालांकि इम्तियाज के परिजन उसे निर्दोष बता रहे हैं। फिलहाल मामले की सही जानकारी जांच के बाद ही हो पायेगी।

हिंदी मेरी पहचान है हिंदी मेरा सम्मान: दयाशंकर शुक्ल

हिन्दी दिवस पर आयोजित हुआ हिन्दी साहित्य सम्मेलन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वाधान में हिंदी दिवस पर एक कार्यक्रम त्रिपाठी निकेतन, सदर बाजार स्थित जनपद हिंदी साहित्य सम्मेलन के महामंत्री समाजसेवी कई विद्यालयों के प्रबंधक अनिल प्रताप त्रिपाठी प्रवात के संयोजन में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ0 संगम लाल तिवारी भंवर की अध्यक्षता में मनाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संचेतना साहित्यिक संस्था के संस्थापक वरिष्ठ साहित्यकार दयाशंकर शुक्ल हेम ने कहा कि हिंदी हमारे देश की पहचान है। हिंदी हमारे देशवासियों का सम्मान है और हिंदी भारतीयों

का संस्कार बन चुकी है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित पूर्व जिला सहायक शासकीय अधिवक्ता फौजदारी एवं वकील परिषद के पूर्व अध्यक्ष राधे कृष्ण त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए देश में भारत माता के प्रति जागरूकता के लिए हिंदी पर विशेष दिन जोर देने की आवश्यकता है। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार डॉ0 संगम लाल तिवारी भंवर ने कहा कि आज हिंदी देश ही नहीं विश्व के कई देशों में हिंदी बोली जाती है।

कार्यक्रम में कई साहित्यकारों एवं मनीषियों का सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर महामंत्री हिंदी साहित्य सम्मेलन अनिल प्रताप त्रिपाठी प्रवात, युवा साहित्यकार रविंद्र अजनबी, राज मूर्ति सिंह, डॉ0 मिथिलेश त्रिपाठी, इं0 चंद्रकांत त्रिपाठी, गजेंद्र सिंह विकट, अरुण प्रताप त्रिपाठी, विजय प्रताप त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

ढहे मकान के मलबे से जाम हुई नालियां, पल्टन बाजार व विवेक नगर में जलभराव

नगर पालिका कर्मचारियों ने नाला क्लीनिंग मशीन लगाकर की सफाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने नगर में लोहिया पार्क के पास मलबे से जाम हुए नाले-नालियों की सफाई नाला क्लीनिंग मशीन व जेसीबी लगाकर की, तब जाकर विवेक नगर व पल्टन बाजार का जलभराव समाप्त हुआ।

बताया जाता है कि लोहिया पार्क के पास एक मकान धराशाई किया गया था। इसका सारा मलबा से नालियां पट गई थी और जल निकासी मंगलवार की शाम से ठप हो गई थी जिससे विवेक नगर और पल्टन बाजार में जलभराव होने लगा। इधर बरसात हो रही थी। बरसात होने और पानी के जमा होने से क्षेत्र के लोग परेशान होने लगे।3

इसकी सूचना मिलने पर नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह अपने सफाई कर्मियों के दल-बल के साथ नाला क्लीनिंग

मशीन व जेसीबी लेकर पहुंचे तथा कुछ घंटों में ही नाले-नालियों का सारा मलबा निकालकर बाहर किया गया तब जाकर विवेक नगर और पल्टन बाजार के लोगों को जलभराव से राहत मिली। नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह व ईओ मुदित सिंह के निर्देशन में लगातार नाले-नालियों की सफाई होने के कारण इतनी वर्षा में भी शहर में जलभराव की समस्या नहीं आई। इसके अलावा नगर पालिका के विस्तारित क्षेत्र रंजीतपुर चिलबिला में बुधवार को साफ-सफाई की गई। पूरे क्षेत्र में झाड़ू लगाया गया तथा नाले-नालियों की सफाई की गई।

कार पलटने से दुकानदार घायल, हालत गंभीर

पट्टी, प्रतापगढ़। कार से सामान खरीदेंने जा रहे दो व्यवसाई युवक घायल हो गए। हल्ला गुहार पर पहुंचे राहगीरों ने उनके परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें सीएचसी बेलखरनाथ ले गए।जहां दोनों हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।पट्टी कोतवाली क्षेत्र के उडैयाडीह बाजार निवासी अमित जयसवाल (21) राहुल मौर्य (24) दोनों दुकानदार हैं। बुधवार सुबह कार से प्रतापगढ़ सामान खरीदने जा रहे थे कि जैसे ही गंगवार गांव के समीप पहुंचे कि अचानक उनकी कार गड्ढे में चली गई और पलट गई। जिसमें दोनों व्यवसाई दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर शराबा पर पहुंचे राहगीरों ने घायलों को पहचान लिया और घटना की सूचना उनके परिजनों को दी। परिजन उन्हें इलाज के लिए सीएचसी बेलखरनाथ धाम ले गए जहां डाक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए दोनों को जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया है। वहीं कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।

ट्रक चालक का शव संदिग्घ अवस्था मे पेड़ से लटकता मिला

पुलिस कर रही मामले की छानबीन

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के आलापुर रेलवे फाटक के निकट आम के बाग में बुधवार की भोर पहर पेड़ से लटकता शव मिलने पर हड़कम्प मच गया। सूचना पर पहुची नवाबगंज पुलिस ने शव को ग्रामीणों की मदद से पेड़ से नीचे उतरवाया और लिखा पढ़ी करके पीएम के लिए भेजा। शव की शिनाख्त राकेश कुमार पुत्र गनेशी यादव (33) वर्षीय मद्दूपुर लवाना के रूप में हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सभी घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पत्नी रानी देबी का रोरोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह मृतक के घर पहुँचकर घटना के बारे में जानकारी करने में जुटे हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक मंगलवार की देर शाम बारा बीघा के पास ट्रक मालिक व ड्राइबर मृतक राकेश को मारपीट रहे थे। सूचना पर पहूँची 112 पुलिस ट्रक मालिक व ड्राइबर को पकड़ कर ले गयी। मौके से राकेश ड्राइबर भाग निकला जिसका बुधवार की सुबह पेड़ से लटकता शव मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर स्पष्ट रूप से पता चलेगा कि आखिर घटना की असली वजह क्या है। यह हत्या है या आत्महत्या है। इसी को लेकर गुत्थी उलझी हुई है। घटना की बाबत पूछने पर नवाबगज थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई जो भी की जाएगी। रात में मारपीट में पकड़े गए ट्रक मालिक व ड्राइबर पूछताछ के लिए हिरासत में है।

यार्ड की जमीन की तरफ हो रहे अतिक्रमण को पुलिस ने रोका

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज-लखनऊ रेलवे ट्रैक के परियावां कालाकांकर-35 सी रेलवे फाटक के निकट रेलवे यार्ड की जमीन की तरफ अतिक्रमण पर बुधवार को एस0एस0 परियावां चेतन शुक्ला व ऊंचाहार आरपीएफ प्रभारी ए एन पाठक व आईओ डब्लू (प्रयागराज) वीरेन्द्र सिंह यादव फोर्स के साथ मौके पर पहुँचे। कारण कि रेलवे यार्ड की खाली पड़ी जमीन के दाहिने की तरफ पुस्तैनी बाउंड्रीवाल राधेश्याम अग्रहरि का हाता है जो दुकान का निर्माण कार्य करवा रहे है, जो रेलवे यार्ड की तरफ दुकान की शटर का दरवाजा खुलता है जिसका आवागमन रेलवे यार्ड की तरफ होने से सुरक्षा व रेल परिचालन की दृष्टि कोण से भविष्य में खतरनाक हो सकता है। आई ओ डब्लू वीरेन्द्र सिंह ने शटर व दरवाजे को रेलवे की जमीन की तरफ बन्द करने की दस दिन का लिखित हस्ताक्षर युक्त राधेश्याम अग्रहरि को समय दिया।

जीजीआईसी में हुई निबंध व कहानी लेखन प्रतियोगिता

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शिक्षा विभाग के निर्देश पर आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में गरिमा श्रीवास्तव प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ के कुशल नेतृत्व में डॉक्टर मोहम्मद अनीस के कुशल संयोजन में एवं नोडल अधिकारी डॉक्टर विंध्याचल प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बरहरा के निर्देशन में निबंध एवं कहानी लेखन प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपने गाइड शिक्षकों के साथ प्रतिभाग किया। निबंध लेखन का विषय था आजादी का महत्व तथा कहानी लेखन का विषय रहा स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा। प्रतियोगिता में सम्मानित निर्णायक मंडल के रूप में डॉ रंजना मिश्रा पूनम श्रीवास्तव एवं अनूप कुमार यादव रहे। सहयोग उमर जमील का रहा।

डीएम के आदेश के बावजूद पीड़ित महिला का नहीं हो रहा मेडिकल

दर-दर भटक रही है घायल महिला

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद आसपुर देवसरा पुलिस घायल महिला का मेडिकल नहीं कर रही है, जिससे घायल महिला दर-दर भटकने को मजबूर है। जानकारी के मुताबिक आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के गोदलपट्टी गांव निवासी राधेश्याम की पत्नी उर्मिला देवी ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर अवगत कराया गया कि उसकी चचेरी बहन के लड़के राकेश कुमार 13 सितम्बर को बदलापुर जौनपुर से अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर आ रहा था। इसी दौरान गोदल पट्टी नाले के पास घात लगाए बैठे राजा, अर्जुन अपने तीन साथियों के साथ मोटरसाइकिल पर खडे थे। इस दौरान जमीनी रंजिश के चलते सभी ने रोक लिया और लात-घूसे से पिटाई कर दी तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के सम्बन्ध में आसपुर देवसरा पुलिस को अवगत कराया गया। वहां से न्याय न मिलने पर जिलाधिकारी के यहां पीड़ित महिला गई जिस पर जिलाधिकारी ने आसपुर देवसरा को मेडिकल कराने के लिये आदेश दिया, लेकिन आसपुर देवसरा पुलिस ने मेडिकल नहीं किया जिससे पीड़ित महिला दर-दर भटक रही है।

सेवा सप्ताह के रुप में भाजयुमो मनाएगी पीएम का जन्मदिन

प्रतापगढ़। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा सप्ताह के रूप में भाजपा मनाएगी। इसे लेकर भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंशुमान सिंह के नेतृत्व में आगामी कार्यक्रमो की तैयारी बैठक भाजपा कार्यालय पर की गई। शुक्रवार से प्रधानमंत्री के 71वें जन्मदिन पर सेवा के विभिन्न कार्यों के माध्यम से जनमानस के बीच पंहुचेगी। भाजयुमो सेवा कार्यों के माध्यम से रक्तदान, अमृत महोत्सव, दिव्यांग उपकरण वितरण, गांवों में स्वच्छता अभियान, मोदी मेला, वृक्षारोपण, फल वितरण तथा जन जन के मध्य जाकर मोदी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा करेगी।

हिंदी दिवस पर कवियों ने पढ़ी रचनाएं, मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा पर पट्टी क्षेत्र के रमईपुर चौराहा स्थित नव प्रभात एकेडमी प्रांगण में काव्य गोष्ठी आयोजित करके हिंदी दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय लोगों ने प्रतिभाग किया और कवियों की रचनाओं को गौर से सुना।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां वीणा वादिनी के बंदना से बेल्हा के पावन धाम के रचनाकार और लोकप्रिय कवि जयराम पांडे राही ने अपनी रचना मां वीणा वादिनी मुझे स्वर दो से प्रारंभ किया। उसके बाद आए हुए अतिथियों का विद्यालय के प्रबंधक मनोज यादव ने सभी को बैज लगाकर व अंगवस्त्रम देकर सभी का स्वागत किया। उसके बाद जयराम पांडे देश का आन-मान और स्वाभिमान है, हिंदी हमारे देश भक्ति राष्ट्र की पहचान है हिंदी को पढ़ा तो मौजूद श्रोता झूम पड़े और जमकर तालियां बजाई। कार्यक्रम में मौजूद युवा कवि शेष नारायण दुबे ने हिंदी के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हुए रचना सुनाई तो लोग तालियां बजाने पर मजबूर हो गए। पूर्व माध्यमिक विद्यालय पट्टी द्वितीय के प्रधानाचार्य सर्वेश मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि हिंदी हिंदुस्तान की पहचान है हमारी मातृभाषा हिंदी है इसलिए हम सभी को हिंदी में ही बात करनी चाहिए। इस मौके पर पूर्व प्रधानाचार्य लाल बहादुर यादव, नव प्रभात एकेडमी के प्रधानाचार्य चंद्र शेखर तिवारी और हिंदी के प्रवक्ता सुभाष वर्मा ने भी अपने विचार रखे।

बाबा बड़े शिव धाम पहुचे प्रदेश के कैबिनेट मंत्री किया दर्शन पूजन

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी मंगलवार की देर रात बाबा बड़े शिव धाम में दर्शन पूजन किया। इस दौरान व्यापारियों के साथ वार्ता करते हुए उनकी शिकायतें सुनी तथा उसके निस्तारण का आश्वासन दिया। नंदी का व्यापारियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। उन्हे स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्रम भेट किया। व्यापारियों की समस्या को सुनते हुए मंत्री जी ने कहा कि व्यापारियों की हर समस्या का समाधान होगा। वह चाहे अधिकारी से संबंधित हो या अपराधियों से उस पर तुरंत कारवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा व्यापारियों की समय-समय पर प्रताड़ित कर धन उगाही की जानकारी पर मंडलायुक्त से वार्ता कर भदोही जिले के व्यापारियों का उत्पीड़न करने वाले खाद्य सुरक्षा अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने व की गई कार्रवाई से अवगत कराने को कहा। इस अवसर पर दीपक, बाबा लाल जायसवाल, सुरेंद्र विश्वकर्मा, शिव अग्रहरी, श्रीकांत जायसवाल, मोहित कुमार उमर, कन्हैया लाल वर्मा, दामोदरदास अग्रहरि, अश्वनी अग्रवाल सहित अन्य व्यापारी व शिव परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

18 सितंबर को आएंगे प्रभारी मंत्री

अखंड भारत संदेश

भदोही। पशुधन, मत्स्य एवं दुग्ध विकास विभाग राज्यमंत्री जय प्रकाश निषाद 18 सितंबर को भदोही जनपद आ रहे हैं। वह रात्रि नौ बजे जनपद में पहुंचेंगे। रात्रि विश्राम के पश्चात 19 सितंबर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद विभागीय अधिकारियों से बैठक का भी प्रोग्राम है। इसके पश्चात वह एक प्रेस वार्ता को भी संबोधित करेंगे।

एआरटीओ के नाम पर वसूली का गैंग चला रहे थे शातिर

भदोही पुलिस ने ट्रक चालकों से वसूली करने वाले गिरोह का किया खुलासा

फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को प्रयास जारी

कार सहित दो गिरफ्तार, आधा दर्जन लोग मौके से हुए फरार

अखंड भारत संदेश

भदोही। एआरटीओ के बहाने ट्रक चालकों से वसूली करने वाले एक गैंग का खुलासा हुआ है। इसके दो सदस्य औराई पुलिस के हत्थे चढ़े हैं, जबकि आधा दर्जन लोग मौके से भागने में कामयाब रहे। पूछताछ में पता चला कि इनका अंतरजनपदीय गैंग है, जो एआरटीओ चेकिंग से बचाने के बहाने ट्रक चालकों से वसूली करता आ रहा था। पूछताछ में पता चला कि यह गैंग रातभर हाईवे पर वसूली करता था और सुबह रकम का बंटवारा किया जाता था। यह गिरफ्तारी बीती रात उस समय की गई, जब गैंग के कई सदस्य ट्रक चालकों से वसूली में व्यस्त थे।

भदोही पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी औराई द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर व मिर्जापुर-जौनपुर रोड पर अवैध रूप से ओवरलोड ट्रकों को पास कराने वाले गिरोह के खिलाफ अंकुश लगाने के लिए औराई पुलिस को निर्देशित किया था। इसके तहत प्रभारी निरीक्षक औराई ने मयहमराह उगापुर के एक ढाबा के पास ट्रक चालक से पैसा वसूलते रंगे हाथ दो लोगों को हिरासत में लिया। जब इस बात की ट्रक ड्राइवर से तफ्तीश की गई तो उसने बताया कि यह लोग अपने आपको एआरटीओ का आदमी बताकर गाड़ी पास कराने के नाम पर हर गाड़ी से प्रति चक्कर 500 लेते हैं।

गहराई से छानबीन शुरू की गई और दोनों से कड़ाई से पूछताछ हुई तो दोनों ने कुछ दूर खड़ी ब्रेजा कार (यूपी63-एके-8384) की तरफ इशारा करते हुए बताया कि हम लोगों के साथ के कुछ लोग कार में बैठे हैं। जब पुलिस वाले कार की तरफ आगे बढ़े तो उसमें बैठे तीन व्यक्ति एक बाइक से उगापुर की तरफ भाग निकले और तीन आदमी अंधेरे का लाभ लेते हुए पैदल ही भागने में सफल रहे।

इस घटना का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह ने पुलिस लाइन सभागार ज्ञानपुर में बताया कि पकड़े गए दोनों व्यक्तियों से जब सख्ती से पूछा गया तो बताया कि हम लोगों के साथ ओवरलोड ट्रकों को पास कराने का नाम पर बड़े पैमाने पर वसूली का धंधा किया जाता था और रात वसूली के बाद सुबह पैसों का बंटवारा कर लिया जाता था।हम लोगों का एक अंतर्जनपदीय गिरोह है, जो सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही और जौनपुर जनपदों में खनन विभाग व यात्रियों की लोकेशन लेकर ट्रक चालक व ट्रक मालिकों से संपर्क कर पास कराते हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 15000 रुपये, तीन मोबाइल व एक ब्रेजा कार बरामद कर स्थानीय थाने पर पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई।

जर्जर कच्चे घर से पक्के मकान में पहुंचे अजय कुमार, पीएम का जताया आभार

अखंड भारत संदेश

भदोही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर तरीके से हो रहा है। समाज का हर तबका, इसका लाभ उठा रहा है। व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता रोटी, कपड़ा और मकान को सरकार द्वारा हर स्तर पर पूरा किया जा रहा है। भदोही जनपद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के नेतृत्व में जनपद के निवासियों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित किया जा रहा है।

इसी क्रम में अजय कुमार मौर्य को आवासीय सुविधा का लाभ दिया गया है। अजय कुमार मौर्य जनपद के खमरियॉ के निवासी हैं। अजय कुमार मौर्य अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ कच्चे मकान में निवास करते थे। जहां पर अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना उन्हें करना पड़ता था। बरसात के दिनों में कच्चे मकान के गिरने का खतरा सदैव बना रहता था। इस आशंका से अजय कुमार मौर्य और उनकी पत्नी अक्सर चिन्तित रहते थे। पूर्व में भारी बारिश की बजह से उनके मकान का एक भाग क्षतिग्रस्त भी हो गया। इससे उनकी चिंता और बढ़ गई। इसी दौरान उन्हें सरकार की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के संबंध में जानकारी मिली। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास के लिए आवेदन किया। इस पर डूडा अधिकारी ने उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के संबंध में संपूर्ण जानकारी देते हुए पूरी मदद पहुंचाने का भरोसा दिलाया।

शीघ्र ही अजय कुमार और उनकी पत्नी को इस योजना के तहत मिलने वाली धनराशि, जो तीन किश्तों में मिलती है, (2,50,000.00) रुपये की प्राप्ति हुई। अजय कुमार मौर्य ने इस धनराशि के मिलने के पश्चात अपने लिए दो कमरा, एक किचन, एक बाथरूम युक्त मकान का निर्माण करवाया। सरकार की इस मदद से अजय कुमार मौर्य और उनका पूरा परिवार खुशहाल और सुरक्षित जीवन जी रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभांवित होने पर अजय कुमार मौर्य ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी का आभार जताया है।

दो अवैध क्लिनिक पर मुकदमा दर्ज

ज्ञानपुर। जिले में दो अवैध क्लीनिक पर मंगलवार को मुकदमा दर्ज किया गया है। जबकि दो को बंद करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। अधीक्षक की जांच में शिकायत सही पाए जाने पर सीएमओ के निर्देश पर कार्रवाई अमल में लाई गई। अधिवक्ता आदर्श त्रिपाठी ने गोपीगंज में पापुलर हास्पिटल के अवैध संचालन की शिकायत की गई थी। सीएमओ के निर्देश पर गोपीगंज सीएचसी अधीक्षक डॉ. आशुतोष कुमार ने जांच की जिसमें क्लीनिक अवैध तरीके से संचालित होती पाई गई। स्वास्थ्य विभाग ने तीन माह में दो बार क्लीनिक बंद करने का नोटिस भेजा, परंतु उसके उपरांत भी संचालनकर्ता एके कौशिक के द्वारा हॉस्पिटल नहीं बंद किया गया। अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र देकर क्लीनिक न बंद होने की शिकायत की। अधीक्षक ने सीएमओ के निर्देश पर संचालक डा.एके कौशिक के खिलाफ गोपीगंज थाने में केस दर्ज कराया।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाःनई तकनीक से बनेगी सड़क लंबे समय तक साथ निभाएगी

एनआईसी में ग्रामीणांचल के मार्गों का शुभारंभ व रिन्यूअल कार्य का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया लोकार्पण

अखंड भारत संदेश

भदोही। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत ग्रामीण मार्गों का शुभारंभ एवं रिन्यूअल कार्य का लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल माध्यम से किया। प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तृतीय चरण के तहत शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सडक निर्माण में नवीन तकनीकी के उपयोग के बारे में भी विस्तार से चर्चा की।

बताया कि यह तकनीक अन्य जनपदों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर अमल में लाई जा रही है। इस तकनीकी में उच्च गुणवत्ता की सडक का निर्माण किया जाता है और शीघ्र ही समस्त जिलों में इसे अपनाने के लिए आदेश पारित किए जाएंगे, साथ ही मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अंतर्गत जिन ग्रामीण मार्गों का निर्माण करा दिया गया है, उनका

तत्काल निरीक्षण कर संबंधित फर्म को उसका भुगतान कराना सुनिश्चित करें। शिलान्यास कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक औराई दीनानाथ भास्कर, विधायक भदोही रवींद्रनाथ त्रिपाठी, जिलाधिकारी आर्यका अखौरी, मुख्य विकास अधिकारी भानु प्रताप सिंह, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय और संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कांशीराम आवासीय कालोनीः यहां डेंगू और मलेरिया का है पूरा इंतजाम

विकास भवन से सटी हुई आवासीय कालोनी में फैला गंदगी का अंबार, जलजमाव और गंदगी की वजह से हमेशा उठती रहती है भीषण दुर्गंध

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। एक तरफ प्रशासनिक और स्वास्थ्य महकमा डेंगू और मलेरिया से बचाव व रोकथाम के लिए लोगों को पाठ पढ़ा रहा है तो दूसरी तरफ उसकी नाक के नीचे ही इन बीमारियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम बात कर रहे हैं कांशीराम आवासीय कालोनी की। यह कालोनी विकास भवन से एकदम सटी हुई है। रोजाना दर्जनों अफसरों का उधर से गुजरना भी होता है, पर किसी को यहां की हालत न तो दिखाई पड़ती है और न ही सुनाई। कांशीराम आवासीय कालोनी के निवासी सफाई कर्मियों को पैसे देकर और चिरौरी करके थक चुके हैं। इस सिलसिले में कांशीराम आवासीय योजना के लोगों से बात की गई तो लोगों का गुस्सा प्रशासन के साथ ही मीडिया पर भी देखने को मिला। स्थानीय लोग उक्त गंदगी, जलजमाव पर कुछ बोलने को भी तैयार नहीं हुए। काफी प्रयास पर कांशीराम आवासीय कालोनी के निवासियों ने बताया कि यहां जो गिने-चुने कर्मचारी हाल-चाल लेने आते हैं, वे सिर्फ साफ-सफाई के नाम पर लोगों से वसूली कर चले जाते हैं। सफाई कभी नहीं की जाती है। यहां पर साफ-सफाई कभी नहीं होती। स्थानीय लोग जानवरों की तरह यहां पर रहने के लिए मजबूर हैं।

ओवरहेड टैंक से कभी नहीं मिला पानी

कांशीराम आवासीय कालोनी में पेयजल सप्लाई के लिए ओवरहेड टैंक की स्थापना की गई है, पर कभी भी उन्हे टंकी का पानी नसीब नहीं हुआ। स्थानीयलोगबताते हैं कि उक्त टंकी से कभी भी पानी की सप्लाई नहीं की गई। पेयजल व अन्य जरूरतों के लिए लोग बाहर से पानी ढोकर ले आते हैं। लोगों ने बताया कि यहां स्थापित ओवरहेड टैंक में लीकेज की समस्या है, जिसे आज तक दुरुस्त नहीं करवाया जा सका। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से उक्त समस्याओं के त्वरित निदान की मांग की है।

दुर्घटना का कारण बन सकते हैं जर्जर तार

आवासीय कालोनी में बिजली सप्लाई के लिए दौड़ा गए विद्युत तार इतने नीचे लटक रहे हैं कि कोई भी नीचे से इन्हे छू सकता है। ऐसे में कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। तारों को दौड़ाने के लिए कई पोल भवन के सहारे टिके नजर आए। उनके तार घरों को छूकर जा रहे हैं। बारिश में स्थिति बद से बदतर हो जाती है। लोगों का कहना है कि घर में करंट दौडने लगता है। बिजली विभाग को बार बार चेताया जाता है, लेकिन जनपद का बिजली विभाग ऐसा है कि सुधरने का नाम ही नहीं ले रहा। स्थानी निवासियों के अनुसार मात्र दो ट्रांसफार्मर ही काम कर रहे हैं बाकी ट्रांसफार्मर जल चुके हैं।

चैन से खड़े नहीं होने देते जानलेवा मच्छर

आवासीय निवासियों की मानें तो आए दिन लोग बीमार होते रहते हैं। बजबजाती नालियां, जगह-जगह जलभराव और गंदगी के बीच सांस लेना भी दुश्वार है। यदि कहीं खड़े होना पड़ेतो मच्छर चौन से खड़े भी नहीं होने देते। यदि इस आवासीय परिसर की जलनिकासी और साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया गया तो मुख्यालय में भी डेंगू और मलेरिया का प्रकोप फैल सकता है। विकास भवन के समीप स्थित इस आवासीय कालोनी में कई ब्लाक बनाए गए हैं और लगभग सभी ब्लाकों में गंदगी और जलभराव की यही स्थिति है।

स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता जरूरी : अनिरूद्ध

आजादी के अमृत महोत्सव स्वच्छता अभियान का जिपं अध्यक्ष ने किया शुभारम्भ

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। आजादी के अमृत महोत्सव में स्वच्छता अभियान को लेकर 15 सितंबर से दो अक्टूबर तक जहां विविध अभियान चलाने की गतिविधि तय की गई है। वहीं सोख्ता गड्ढों, शौचालय निर्माण के जरिए अभियान को गति दिए जाने की योजना हैं। इस योजना का शुभारंभ सुरियावां विकास खंड के महजूदा गांव से किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने सोख्ता निर्माण का शुभारंभ करके जनपद वासियों को संदेश दिया। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता बहुत जरूरी है। कही भी गन्दगी न होने दें, कूड़ा कचरा एक जगह न इकठ्ठा होने दे। जिला पंचायत अध्यक्ष ने साफ सफाई के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया। जिला पंचायत अधिकारी बालेशधर द्विवेदी ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए बताया कि शासन ने स्वच्छता भारत मिशन को अपनी प्राथमिकता में शामिल किया है। ग्राम स्तर पर स्वच्छता जागृति यात्रा निकाली जाएगी। दो अक्टूबर तक सभी ग्रामसभा में खुली बैठक का आयोजन कर विकास कार्यों पर मंथन होगा। प्रत्येक गांवों में गीले व सूखे कचरों के निस्तारण के लिए सोख्ता गड्ढे तैयार किए जाएंगे। इसमें पांच ग्राम पंचायत स्तर पर सामुदायिक सोख्ता गड्ढे बनेंगे। जबकि 10 ग्रामीणों को प्रेरित कर व्यक्तिगत सोख्ता गड्ढों का निर्माण कराया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक डा. सरोज पांडेय ने कहा कि स्वच्छता के लिए प्रेरित करने को ग्राम पंचायतों में वाल पेंटिग व नारा लेखन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को सम्मानित भी किया जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत दो अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएगी। इसके लिए सभी ग्राम प्रधान सचिव व एडीओ पंचायत को निर्देशित किया जा चुका है। इस मौके पर ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय, ग्राम पंचायत सचिव मनोज मौर्या, सूर्यमणि पांडेय, रमाकांत मिश्र, सन्तोष सिंह, सचिन पांडेय, शम्भूनाथ सेठ, वशिष्ठ नारायण श्रीवास्तव, विकास सिंह, चन्द्रमणि पांडेय, रमेश चौहान, निर्विकार सिंह आदि लोग मौजूद रहें।

आज से प्रधानों के घर बनेगा आयुष्मान कार्ड

16 सितम्बर से 30 सितम्बर तक चलेगा अभियान

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिले के 546 ग्राम प्रधानों के आवास पर 16 सितंबर से 30 सितंबर तक आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा। इसकी जानकारी बुधवार को जिला पंचायत राज अधिकारी बालेश ने दी। जिला पंचायत राज अधिकारी बालेश ने बुधवार को 546 ग्राम प्रधानों को पत्र जारी किया कि अब प्रधान के आवास भी आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा। इस अभियान में किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इस अभियान के दौरान किसी को छुटटी नहीं मिलेगी और कोविड के नियमों का पूरा ख्याल रखें। जिससे किसी भी प्रकार की कोई समस्या ना उत्पन्न हो। इस अभियान भी पंचायत विभाग स्वास्थ्य विभाग का पूर्ण सहयोग कर रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. संतोष कुमार चक ने बताया कि इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग का पंचायत विभाग सहयोग कर रहा है। जो एक सराहनीय कदम है। विभाग की ओर से भी 05 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रए 15 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र समेत 53 उपस्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी चिकित्साधिकारी को पत्र के माध्यम से अवगत कराया जा चुका है। इन केन्द्रों पर भी आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा। इस केन्द्रों व पंचायतों की देखरेख के लिए एक नोडल अधिकारी की भी नियुक्ति कर दी गई। जो अपने.अपने क्षेत्र में आयुष्मान कार्ड बनाने की गति को तेज करेगे। जिला सूचना प्रबन्धक आशीष ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप की कोई घर आयुष्मान कार्ड से वंचित न रहे। इसके लिए विभाग में कार्यरत 1326 आशाओं को जिम्मेदारी दी गई है कि अपने.अपने क्षेत्र के लोगों को केन्द्र या नजदीक में प्रधान के घर ले जाकर आयुष्मान कार्ड बनाने का काम करेगी। इसलिए सभी जिनके पास प्रधानमंत्री पत्र व आधार कार्ड के साथ प्रधान के निवास व केन्द्र पर जाकर कार्ड बनावें जिससे कोई भी स्वास्थ्य की सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होनें ने बताया कि कोरोना जैसे महामारी से लड़ने के लिए कभीण्कभी अस्पताल में भी भर्ती होना पड़ता है।

प्रदेश में चल रही है दोहरे चरित्र वालों की सरकार : संजय विद्यार्थी

सपा के जिला कार्यालय में की सेना, शर्मा, सविता व सलमानी समाज के लोगों से सीधा संवाद

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं पूर्व मंत्री संजय विद्यार्थी सविता जिले के सेन, शर्मा, सविता व सलमानी समाज के लोगों से सीधा संवाद करने के लिए जिले में पहुंचे। बुधवार को कंसापुर गांव में स्थित पार्टी के जिला कार्यालय में बैठक कर उन्होंने अपने समाज के लोगों से संवाद किया और 2022 के चुनाव में समाजवादी पार्टी को वोट देने और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम लोग उस समाज से आते हैं। जहां पैदा होने से लेकर अंत तक सभी समाज के लोगों का सेवा करते चले आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो इस समाज को काफी सम्मान देने का काम किया। लेकिन भाजपा की सरकार बनने के बाद न तो इस समाज को सम्मान मिला और न ही योजनाओं का लाभ मिल सका। बल्कि हमारे समाज के ऊपर अत्याचार हुआ। श्री सविता ने कहा कि जब हमारे समाज के ऊपर शोषण और अत्याचार होता है तो उसकी लड़ाई अखिलेश यादव व समाजवादी पार्टी लड़ती है। प्रदेश में इस समय दोहरे चरित्र वालों की सरकार है। इस सरकार ने चुनाव के समय बहुत वादे किए। लेकिन उसे पूरा न कर सकी। यह भी एक तरह का भ्रष्टाचार ही है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव हर गरीब को रोटी, कपड़ा और मकान देने के साथ उनके चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। अगर डा.राममनोहर लोहिया व करपूरी ठाकुर के सपनों को साकार करना चाहते हैं तो समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएं। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बाल विद्या विकास यादव व संचालन जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति ने किया। इस मौके पर पूर्व विधायक जाहिद बेग, मधुबाला पासी, नई समाज के जिलाध्यक्ष शीतला प्रसाद शर्मा, अंजनी सरोज, अनिल कुमार सिंह, संतोष यादव, लालचंद बिंद, धर्मेंद्र मिश्र पप्पू, समर बहादुर शर्मा, विक्कू शर्मा, पंकज शर्मा, धीरज शर्मा, राजकुमार शर्मा, धीरज शर्मा, विनोद शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, राजेश शर्मा व प्रमोद शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सम्पादकीय

नीट का विरोध, तमिलनाडु विधानसभा का प्रस्ताव

तमिलनाडु विधानसभा नीट परीक्षा के विरोध में प्रस्ताव पास हुआ है। राज्य में मेडिकल, डेंटल आदि के लिए होने वाली अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा नीट (नेशनल एंट्रेंस-कम-एलिजिबिलिटी टेस्ट) से बाहर होने की मंशा जताई है। तमिलनाडु विधानसभा ने लगभग सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मेडिकल, डेंटल आदि के लिए होने वाली अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा नीट (नेशनल एंट्रेंस-कम-एलिजिबिलिटी टेस्ट) से बाहर होने की मंशा जताई है। राज्य सरकार चाहती है कि प्रदेश में 12वीं बोर्ड परीक्षा के अंकों को ही मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एडमिशन का आधार बनाया जाए। न केवल सत्तारूढ़ डीएमके और विपक्षी दल एआईएडीएमके बल्कि पीएमके और कांग्रेस समेत तमाम पार्टियों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। एकमात्र अपवाद बीजेपी रही, जो सदन से वॉकआउट कर गई। सदन में दिखी यह भावना अकारण नहीं है। तमिलनाडु में नीट का विरोध पहले से होता रहा है। डीएमके ने हालिया विधानसभा चुनावों के दौरान कहा था कि अगर उसकी सरकार बनी तो राज्य में नीट समाप्त कर दिया जाएगा। सरकार बनने के एक महीने के अंदर राज्य में नीट के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए अवकाश प्राप्त न्यायाधीश एके राजन की अध्यक्षता में एक समिति गठित कर दी गई। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अगर कुछ साल और नीट की व्यवस्था लागू रही तो राज्य का स्वास्थ्य ढांचा चरमरा जाएगा और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी अस्पतालों में तैनात करने के लिए डॉक्टर कम पड़ने लगेंगे।

राज्य की डीएमके सरकार ने विधानसभा में प्रस्ताव पेश करने के फैसले का आधार इसी रिपोर्ट को बनाया है। लेकिन ध्यान रहे, एआईएडीएमके जब शासन में थी तो उसने भी विधानसभा में ऐसा ही प्रस्ताव पारित करवाया था। राष्ट्रपति की मंजूरी न मिलने की वजह से उस प्रस्ताव पर अमल नहीं हो पाया। इस बार भी प्रस्ताव के अमल में आने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी की जरूरत पड़ेगी। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर तमिलनाडु में नीट का इतना विरोध क्यों है। राज्य सरकार का कहना है कि नीट की पद्धति में अलग-अलग पृष्ठभूमि के छात्रों के साथ न्याय नहीं हो पाता है। 12वीं में मिले अंकों के आधार पर एडमिशन देने के पक्ष में उसकी दलील है कि मेडिकल एडुकेशन का स्तर ऊंचा बने रहना एडमिशन प्रक्रिया पर निर्भर नहीं करता। बहरहाल, नीट को लेकर शिकायतें तमिलनाडु तक सीमित नहीं हैं। अन्य राज्यों से भी शिकायतें आती रही हैं। यह कहा जाता रहा है कि नीट लागू होने के बाद से देश भर में कोचिंग क्लासेज की जकड़न मजबूत हुई है। बगैर कोचिंग के मेडिकल एंट्रेंस क्लीयर करना मुश्किल हो गया है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर तबकों और ग्रामीण पृष्ठभूमि के युवा वंचित महसूस कर रहे हैं। यही हाल गैर-हिंदी भाषी युवाओं का है। ये शिकायतें वाजिब हो सकती हैं। लेकिन इसका हल यह नहीं हो सकता कि राज्य सरकारें इससे निकलने का फैसला करने लग जाएं। जरूरत इस बात की है कि सब मिलकर इस व्यवस्था की गड़बड़ियों को चिह्नित करें और उन्हें दूर करने की कोशिश करें ताकि देश भर के प्रतिभाशाली युवा खुद को साबित करने का मौका पाएं और उसका बेहतरीन इस्तेमाल कर सकें।

असुरक्षा भाव से घिर चुकी है भाजपा

राकेश अचल

भाजपा का भयभीत होना विपक्ष और देश की आर्तनाद कर रही जनता के लिए शुभ हो सकता है किन्तु गैरकांग्रेसवाद के लिए नहीं। भाजपा का भय देश की सियासी तस्वीर के रंग भी बदल सकता है और विपक्ष की किस्मत भी। भारत की राजनीति में रुचि रखने वाले दुनिया के तमाम देश भाजपा के चेहरे से झांकते भय पर अपनी निगाहें लगाए हुए हैं। हम और आप तो इसके चश्मदीद गवाह तो हैं ही। गुजरात के बाद कहां के नेता बदले जायेंगे, यह अभी से कहना उचित नहीं है। बरे 132 करोड़ की आबादी वाले महादेश का भविष्य बीते सात साल से जिस भारतीय जनता पार्टी के हाथों में है, वह स्वयं अब बुरी तरह से असुरक्षा भाव से घिर चुकी है। अपने चेहरे की भी परछाईं मिटाने के लिए भाजपा का शीर्ष नेतृत्व अब शीर्षासन करता नजर आ रहा है। विपक्ष के लिए यह सुखद हो सकता है लेकिन समूचे परिदृश्य के लिए यह शुभ घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में एक के बाद एक हार से आतंकित भाजपा जहां देश और दुनिया के सामने गुजरात मॉडल का ढोल पीटना भूल गयी है, वहीं उसे अब गुजरात की चिंता भी सताने लगी है। हाल ही में गुजरात में हुए नेतृत्व परिवर्तन ने भाजपा को भी भयग्रस्त प्रमाणित कर दिया है। भाजपा हाल ही में कर्नाटक और उत्तराखंड में भी नेतृत्व परिवर्तन के लिए विवश हो चुकी है। जिस गुजरात में आज के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक मुख्यमंत्री के रूप में पूरे पंद्रह साल एकछत्र राज किया था, उसी गुजरात में बीते सात साल में दो मुख्यमंत्री बदले जा चुके हैं। जाहिर है कि अब गुजरात देश के लिए मॉडल नहीं रहा।

राजनीतिक परिस्थितयों का आकलन करें तो आप पाएंगे कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व हाल ही में बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली पराजय के बाद से एकदम विचलित हो गया है। भाजपा को अब उत्तर प्रदेश के साथ उन तमाम राज्यों के विधानसभा चुनावों की चिंता भी सताने लगी है जहां अगले साल जनादेश के लिए मैदान में उतरना है। गुजरात में भाजपा की पतली हालत के बाद भाजपा ने गुजरात के बजाय उत्तर प्रदेश को अपना मॉडल राज्य बताना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री से लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तक उप्र के मुख्यमंत्री का स्तुतिगान करते दिखाई दे रहे हैं। यह अब साफ़ दिखाई दे रहा है कि राजनीति को करवट बदलते देर नहीं लगती। पिछले दो साल में तमाम आंतरिक गड़बड़ियों के बावजूद जहां कांग्रेस ने राजस्थान, पंजाब और छत्तीसगढ़ में नेतृत्व परिवर्तन नहीं किया, वहीं भाजपा को एक के बाद एक तीन राज्यों में अपने मुख्यमंत्री बदलने पड़े। जाहिर है कि कमजोर विपक्ष का दाग लिए घूम रही कांग्रेस आंतरिक असंतोष झेलने के मामले में भाजपा से कहीं ज्यादा बेहतर साबित हुई है। भाजपा के लिए अब उत्तर प्रदेश एक विवशता बन चुका है। उप्र को जीते बिना भाजपा केंद्र की सत्ता को बचाकर नहीं रख सकती।

अजीबोगरीब लग सकता है किन्तु अब यह एक हकीकत है कि गुजरात के शेर अब उत्तर प्रदेश में विहार करने के लिए विवश हैं। वे काशी छोड़कर साबरमती की ओर रुख नहीं कर सकते क्योंकि काशी की गंगा साबरमती के मुकाबले अब ज्यादा महत्वपूर्ण हो चुकी है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व यह मान चुका है कि यदि उत्तर प्रदेश में भी बंगाल के नतीजे आये तो भाजपा को दिल्ली छोड़ना पड़ेगी। इसलिए किसी भी भाजपा शासित राज्य से कमजोरी की खबर नहीं आनी चाहिए। गुजरात में भाजपा का शासन बदनामी का कारण बन रहा था इसलिए विजय रूपाणी को बदलने में एक पल की भी देर नहीं की गयी। उत्तराखण्ड से भी सियासी भूस्खलन की खबरें आनी शुरू हो गयी थीं, सो वहां भी नेता बदलकर मरम्मत कर दी गयी। मुख्यमंत्रियों को बदलना किसी भी पार्टी का अंदरूनी मामला है। इसका जनादेश से अब कोई संबंध नहीं रह गया है। लोकतंत्र से तो बिलकुल नहीं। जनता ने किस नेता का मुंह देखकर जनादेश दिया था, यह पूछने वाला कोई नहीं है। पूछिए भी तो कोई जवाब देने वाला नहीं है। कांग्रेस ने यह परम्परा बनाई थी और भाजपा ने इसे जस का तस स्वीकार कर लिया है। अर्थात राज्यों पर मुख्यमंत्री थोपना ही आज का लोकतंत्र है। कांग्रेस की इस परम्परा से आज भाजपा सुविधा अवश्य अनुभव कर रही होगी किन्तु इससे भाजपा की चाल, चरित्र और चेहरे की वास्तविकता बेनकाब जरूर हो गयी है।

भाजपा बंगाल को सोनार बांग्ला नहीं बना पाई लेकिन उसे अब उत्तरप्रदेश में रामराज्य स्थापित करके दिखाना ही होगा। भाजपा येन केन प्रकारेण उत्तर प्रदेश में रामराज के लिए राम मंदिर निर्माण की आधारशिला पहले ही रख चुकी है किन्तु किसान आंदोलन की वजह से इस कसरत का फल फीका होता नजर आ रहा है। देश के किसान जगह-जगह पिट-पिटाकर अब उत्तर प्रदेश में जमावड़ा तैयार कर रहे हैं। एक साल से सड़कों पर संघर्ष कर रहे किसानों की समझ में आ गया है कि भाजपा सरकार की जिद को बेअसर करने के लिए उसे उत्तर प्रदेश से उखाड़ना ही होगा। आने वाले दिनों में यदि आंदोलनरत किसान खुदा न खस्ता खुद ही चुनाव मैदान में कूद गए तो भाजपा का 2024 का पूरा गणित खराब हो सकता है। भाजपा के लिए बंगाल से बड़ी चुनौती उत्तर प्रदेश में पेश आने वाली है। विपक्ष के लिए भी उत्तर प्रदेश का मोर्चा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। हाशिये पर खड़ी कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी या बहुजन समाज पार्टी- सभी को उत्तर प्रदेश का आशीर्वाद चाहिए। यही दबाव है कि बसपा को अपने बाहुबली नेताओं से हाथ जोड़ने पड़ रहे हैं। ऐसे अल्पसंख्यक नेताओं के लिए हैदराबादी बिरयानी मंच सजाकर खिलाने की तैयारी ओवैसी ने कर रखी है। कुल जमा बात भाजपा की भी है। भाजपा का भयभीत होना विपक्ष और देश की आर्तनाद कर रही जनता के लिए शुभ हो सकता है किन्तु गैरकांग्रेसवाद के लिए नहीं। भाजपा का भय देश की सियासी तस्वीर के रंग भी बदल सकता है और विपक्ष की किस्मत भी। भारत की राजनीति में रुचि रखने वाले दुनिया के तमाम देश भाजपा के चेहरे से झांकते भय पर अपनी निगाहें लगाए हुए हैं। हम और आप तो इसके चश्मदीद गवाह तो हैं ही। गुजरात के बाद कहां के नेता बदले जायेंगे, यह अभी से कहना उचित नहीं है।

ओबीसी सियासत बदल रही समीकरण

नरेंद्र नाथ

पिछले कुछ दिनों से ओबीसी और इससे जुड़े मुद्दों पर सियासत केंद्र में आ गई है। इसका असर राजनीतिक दलों के अंदर संगठन और नेतृत्व पर भी पड़ने लगा है। सभी दलों के अंदर ओबीसी नेताओं की पूछ बढ़ने लगी है। संगठन में ओबीसी की हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। साथ ही, ओबीसी वोट को प्रभावित करने वाले छोटे-छोटे दलों को भी अपने पक्ष में करने के लिए तमाम बड़े राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दल अचानक सक्रिय हो गए हैं। सभी दलों का आकलन है कि 2024 में जिस सियासी टीम में जितने मजबूत ओबीसी खिलाड़ी होंगे, उसे उतना ही लाभ मिलेगा और वह चुनावी पिच पर बेहतर स्कोर कर पाएगी। ओबीसी नेतृत्व को अपने पाले में करने की कोशिश का असर चुनावी राज्यों में भी दिखने लगा है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव को भी अपनी पुरानी सियासी गलती का अहसास हो रहा है। मुलायम सिंह यादव के समय ओबीसी का बड़ा तबका समाजवादी पार्टी के साथ था, लेकिन बाद में इसमें यादव और गैर-यादव ओबीसी के बीच दूरी बढ़ती गई और एसपी का यह वोट छिटक कर बीजेपी के पास चला गया। बीजेपी ने मौका देखकर 2017 में गैर-यादव ओबीसी का तकरीबन सारा वोट अपने पक्ष में कर लिया और बड़ी जीत हासिल की। इस बार अखिलेश यादव ओबीसी की इन छोटी-छोटी जातियों के बीच खोया जनाधार पाने के लिए इनके नेताओं तक पहुंच बना रहे हैं। उधर, बीजेपी अपनी पकड़ किसी भी सूरत में कम करने को तैयार नहीं है। राज्य में चुनाव से पहले ओम प्रकाश राजभर, संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल, संजय चौहान जैसे नेताओं की बढ़ती पूछ भी इसी ट्रेंड का परिणाम है।

बीजेपी कल्याण सिंह के निधन के बाद उनके सम्मान के बहाने अपने ओबीसी नेताओं को एक मंच पर करने की कोशिश कर रही है। वहीं, मायावती ने अपनी पार्टी के अंदर ब्राह्मण और ओबीसी नेताओं को अधिक तरजीह देने की रणनीति बनाई है। माना जा रहा है कि इस बार चुनाव में टिकट बंटवारे में ओबीसी नेताओं को सबसे अधिक लाभ मिल सकता है। उसी तरह अभी छत्तीसगढ़ में जब भूपेश बघेल बनाम टीएस सिंह देव के बीच सीएम पद को लेकर गुटबाजी हुई तो बघेल का मजबूत ओबीसी नेता होना ही उनके पक्ष में गया। पार्टी के अंदर आम राय बनी कि मौजूदा माहौल में बघेल जैसे ओबीसी नेता को अस्थिर करने का जोखिम नहीं लिया जा सकता। उधर, बीजेपी नेतृत्व छत्तीसगढ़ में संदेश दे रहा है कि अगर बीजेपी चुनाव जीती तो कोई ओबीसी ही सीएम बनेगा। बगल के राज्य मध्य प्रदेश में भी ओबीसी केंद्रित राजनीति अभी केंद्र में है। जहां कांग्रेस जीतू पटवारी जैसे युवा नेताओं को प्रमोट कर रही है, वहीं शिवराज सिंह चौहान खुद को ओबीसी नेता बताते हुए सियासी संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। बिहार में आरजेडी ने ओबीसी को अपने पक्ष में करने के लिए विशेष अभियान तक छेड़ दिया है। पार्टी ने कहा कि ओबीसी चेहरों को मीडिया से लेकर मंच तक अधिक से अधिक मौका देगी। तेजस्वी यादव के सामने भी अखिलेश यादव की तरह गैर-यादव ओबीसी को जोड़ने की चुनौती है। बिहार में तेजस्वी यादव ने भी मुस्लिम-यादव के अपने पारंपरिक समीकरण से निकलकर पार्टी में ओबीसी नेताओं को अधिक तरजीह देने की रणनीति बनाई है। उधर, नीतीश कुमार एक बार फिर से खुद को ओबीसी नेता के रूप में स्थापित करने के लिए एक के बाद एक कई राजनीतिक दांव खेलने की कोशिश कर रहे हैं। महाराष्ट्र हो या मध्य प्रदेश इन राज्यों में भी अभी ओबीसी चेहरों को कांग्रेस और बीजेपी तरजीह देने की रणनीति बना रही है। दरअसल, विपक्ष 2024 आम चुनाव से पहले ओबीसी वोटरों के बीच अपनी पहुंच बना लेना चाहता है। उसका मानना है कि अगर वह ओबीसी वोटरों में अपनी स्थिति नहीं सुधार सका तो उसके लिए आने वाले दिनों में दिक्कत और बढ़ेगी। ओबीसी वोटरों तक पहुंच बनाने के लिए इन दलों के अंदर मजबूत ओबीसी नेतृत्व की भी जरूरत होगी। संख्या के लिहाज से भी यह सबसे बड़ा समूह है। हाल के दिनों में बीजेपी ने इस वोटर समूह को अपने पक्ष में करने के लिए एक के बाद एक कई कदम उठाए हैं। नेतृत्व में जगह भी दी है। पिछले दिनों जब मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में मंत्रिमंडल विस्तार हुआ तो सबसे अधिक ओबीसी नेताओं को ही जगह दी गई और इसे बहुत प्रचारित भी किया गया। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से देश की सियासत में एक के बाद एक ऐसी घटनाएं हुईं, जिनसे ओबीसी राजनीति केंद्र में आ गई। पहले जातीय जनगणना की मांग को मुद्दा बनाया गया। तमाम क्षेत्रीय दल इस मांग को लेकर बीजेपी पर दबाव बढ़ाने लगे तो इसका असर सरकार पर भी दिखा। समांतर रूप से रोहिणी कमिशन की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की जा रही है।

अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद भारत में आतंकी घटनाएं बढ़ने की आशंका है, क्या वाकई ऐसा होगा

अजय साहनी

अमेरिका पर 11 सितंबर को हुए आतंकी हमले को 20 बरस बीत चुके हैं। अगर पीछे मुड़कर देखें, तो इन दो दशकों में इस एक घटना की वजह से दुनिया पूरी तरह बदल गई। यह भी कम नाटकीय नहीं कि जब इस आतंकी वारदात की 20वीं बरसी करीब आ रही थी, तब अमेरिका तैयारी कर रहा था अफगानिस्तान से निकलने की। आखिर में उसकी वापसी पूरी तरह अराजक और लगाए गए अनुमानों के विपरीत साबित हुई। शायद यही कहना सही होगा कि तालिबान के सामने अफगानिस्तान को परोस दिया गया।अफगानिस्तान से अमेरिका के यूं हटने को 1975 में साइगॉन में लड़ी गई अंतिम लड़ाई की तरह देखा जा रहा है। हालांकि उस घटना के बाद अमेरिका ने एक ग्लोबल सुपरपावर के रूप में खुद को काफी मजबूत किया। इस समय भी भले अमेरिकी शक्ति पर सवाल खड़े किए जा रहे हों, लेकिन उसकी ताकत बरकरार है। अब भी उसके पास ग्लोबल जीडीपी का 23 फीसदी हिस्सा है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद चीन से लगभग छह गुना। अमेरिका की नीतियों को लेकर निश्चित तौर पर चिंताएं हैं, लेकिन सचाई यही है कि लंबे समय तक वह ऐसी शक्ति बना रहेगा, जो दुनिया को प्रभावित कर सके।अमेरिका ने आतंकवाद विरोधी लड़ाई के नाम पर जो युद्ध छेड़ा, उसने पूरे मध्य पूर्व में अराजकता फैला दी। पश्चिमी देश चल पड़े इराक, सीरिया और लीबिया में, जिसे किसी तरह तार्किक नहीं कहा जा सकता। इसका नतीजा यह हुआ कि अफगानिस्तान में जहां अमेरिका के घुसने की एक वाजिब वजह थी, वहां उसकी ताकत कमजोर पड़ गई। इस सबका सबसे बुरा असर हुआ आतंकवाद के उभार के रूप में। थोड़े वक्त के लिए इस्लामिक स्टेट या दाएश उभरकर आ गया, जिसने बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया और दुनिया भर में आतंकवाद को बढ़ाया। 2014 में वैश्विक आतंकवाद चरम पर था। इसमें सबसे ज्यादा सक्रिय था दाएश, लेकिन उसके बाद से इस संगठन का असर कम होता गया है। अंदेशा जताया गया था कि 2017 में दाएश के पतन के बाद घर लौटने वाले हजारों लड़ाके पश्चिम में हिंसा का दौर ला देंगे। हालांकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। इन अनुमानों के बावजूद अमेरिका या यूरोप में कोई संगठित आतंकवादी हमला नहीं हुआ है। अब पश्चिम में प्रमुख खतरा है घरेलू दक्षिणपंथी आतंकवाद। दुनिया में चल रही इन घटनाओं से भारत भी प्रभावित हुआ। 2001 में जब अमेरिका पर हमला हुआ था, वह साल आतंकवाद के लिहाज से भारत के लिए भी सबसे बुरा साबित हुआ। उस बरस 5504 लोगों की आतंकवादी घटनाओं में मौत हुई। केवल जम्मू-कश्मीर में ही 4011 जानें गईं। 2011 के बाद देशभर में होने वाली मौतों में कमी आई है। 2020 में यह संख्या घटकर 591 रह गई थी और इस साल पांच सितंबर तक आंकड़ा 366 है। जम्मू-कश्मीर में 2012 में सबसे कम जानें गईं, केवल 121। हालांकि बाद में इनकी संख्या बढ़ी। इस साल 5 सितंबर तक 162 लोग आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं में जान गंवा चुके हैं। इन मामलों के बढ़ने की वजह है ध्रुवीकरण की राजनीति और संदिग्ध घरेलू नीतियां।

ओसामा बिन लादेन ने 1996 में अल कायदा की ओर से भारत में जिहाद का आह्वान किया था। इसके बाद कई बार इसी तरह की अपील की गई। साल 2014 में इस क्षेत्र के लिए अल कायदा ने एक संगठन खड़ा किया। जम्मू-कश्मीर में कुछ सफलता के बावजूद अंसार गजवत-उल-हिंद कोई प्रभावी नेटवर्क बनाने में विफल रहा। यह भारतीय जमीन पर कोई बड़ी वारदात नहीं कर सका है। दाएश ने जून 2014 में अपना नक्शा जारी किया था। यह नक्शा दिखाता था कि इस आतंकी संगठन का दुनिया में प्रभुत्व कहां है। इसमें भारत को 'विलायत खुरासान' के हिस्से के रूप में शामिल किया गया था। इससे इस आशंका को बल मिला कि बड़े पैमाने पर आतंकवादी हमले हो सकते हैं। तब से सात बरस बीत चुके हैं। दाएश या उसके सहयोगी संगठनों ने कोई बड़ी वारदात नहीं की। दाएश से प्रभावित एक ग्रुप ने एक घटना को जरूर अंजाम दिया था। सात मार्च 2017 को भोपाल-उज्जैन पैसेंजर ट्रेन में एक धमाका किया गया। इसमें 12 यात्री घायल हुए। दाएश के घटते असर का एक सबूत यह भी है कि केवल 169 भारतीय नागरिक इसमें शामिल होने के लिए इराक, सीरिया या अफगानिस्तान गए थे। इनमें से 56 के मारे जाने की पुष्टि हो गई है। हकीकत यह है कि पाकिस्तान की जमीन से संचालित होने वाले और वहां से समर्थन प्राप्त इस्लामिक आतंकवादी संगठन ही भारत के लिए प्रमुख खतरा हैं। पिछले दो दशकों में वे भी अपना असर खो चुके हैं। इसके पीछे इस्लामाबाद पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ने समेत कई दूसरे कारण हैं। एक उड़ता हुआ अनुमान लगाया जा रहा है कि अफगानिस्तान में जेहाद की लड़ाई लड़ रहे आतंकी अब खाली हो चुके हैं। अफगान जीत के बाद इनका रुख जम्मू-कश्मीर की ओर हो सकता है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद इस वजह से कम नहीं हुआ, क्योंकि पाकिस्तान में लोग नहीं थे या उसके पास संसाधनों की कमी हो गई थी। आतंकी घटनाओं में गिरावट की वजह रही भारतीय सेना और स्थानीय स्तर पर उसे मिला समर्थन। अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद इस आशंका को सिरे से खारिज कर देना नासमझी होगी कि आतंकी घटनाएं बढ़ सकती हैं। इसी तरह घबराकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना भी नासमझी होगी।

बादशाह और वजीर की वह अजब-गजब जोड़ी

कृष्ण प्रताप सिंह

अवध में नवाबों के राज में गाजीउद्दीन हैदर (1814-1827) के बाद बादशाहों और वजीरों की कई जोड़ियां बनीं, लेकिन कोई भी गाजीउद्दीन और आगामीर की जोड़ी जैसी अजब-गजब नहीं सिद्ध हुई। इनमें गाजीउद्दीन का 'अजब' यह कि वे गुस्साते तो आगामीर के पद का भी लिहाज न करते और उन पर ताबड़तोड़ थप्पड़-घूंसे बरसाने लगते। एक बार तो उन्होंने एक बावर्ची की इस शिकायत पर भी उन्हें पीट डाला था कि 'वजीर ने हुजूर के पराठे पकाने के लिए दिए जाने वाले घी की मात्रा एक चौथाई कर दी है।' तब गाजीउद्दीन ने उन्हें झिड़ककर यह तक कह दिया था, 'खुद तो सारी सल्तनत लूटे जाते हो और बावर्ची थोड़ा ज्यादा घी ले लेता है तो बर्दाश्त नहीं कर पाते।' लेकिन आगामीर का 'गजब' भी कुछ कम न था। कई बार पिटने के बावजूद उन्होंने 'उफ' तक नहीं की, न ही वजारत छोड़ी। गाजीउद्दीन भी 'सल्तनत की लूट' के बावजूद उन्हें लंबे वक्त तक सहते रहे। दरअसल, आगामीर गाजीउद्दीन के बचपन के दोस्त थे, दोस्ती कोई ऐसी वैसी नहीं हम-निवाला-हम-प्याला थी। इसलिए उन्होंने गद्दी पर बैठते ही उनको वजीर बना दिया था। गोकि वह उनकी रग-रग से वाकिफ थे। बाद में अंग्रेज गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्ज के बहकावे में आकर उन्होंने खुद को 'दिल्ली के दबदबे से आजाद अवध का स्वतंत्र बादशाह' घोषित कर दिया तो कहते हैं कि आगामीर ही सबसे ज्यादा खुश हुए थे। यह सोचकर कि बेलगाम बादशाह की लगाम अब एकमात्र उन्हीं के हाथ रहेगी।

प्रसंगवश, मीर तकी तुर्कमानी के बेटे आगामीर का माता-पिता का दिया नाम सैयद मुहम्मद खां था। वजीर बने तो उन्हें मोतमउद्दौला मुख्तार-उल-मुल्क सैयद मुहम्मद खां बहादुर उर्फ आगामीर का खिताब मिला, जो बाद में आगामीर भर रह गया। इतिहासकार बताते हैं कि उन्होंने ऐसी विलक्षण बुद्धि पाई थी, जो सूबे का खजाना भरने की करामात में तो उनकी मदद करती ही थी, अपना घर भरने से भी मना नहीं करती थी। अपनी वजारत के दौरान उन्होंने सूबे का खजाना इतना भर दिया था कि वह उन दिनों खस्ताहाल ईस्ट इंडिया कंपनी को बड़े-बड़े कर्ज दिया करते। इतना ही नहीं, उन्होंने लखनऊ में अपने नाम की एक ड्योढ़ी भी बनवाई थी, जो आज उसके एक मुहल्ले का नाम है। यह ड्योढ़ी बन रही थी तो उन्होंने एक इत्रफरोश से उसका सारा इत्र खरीदकर उसे गारे में मिलवाया और उसी से दीवारों का पलस्तर करवाया, ताकि दीवारें दूर-दूर तक खुशबू बिखेरती रहें। उन्होंने अपने नाम से एक सराय भी बनवाई थी।'नवाबी के जलवे' नाम की किताब में लिखा है कि एक समय सूबे में आगामीर की मर्जी के बगैर पत्ता तक नहीं हिलता था और उनकी करामात की चहुंओर चर्चा होती थी। लेकिन एक बार बादशाह ने एक आदमी से खुश होकर उसे दरबार में नौकरी देनी चाही तो वह परेशान हो उठे। दरअसल, वह आदमी उनके कई भेद जानता था और बादशाह पर खोल सकता था। इसलिए उन्होंने पहले तो मामले को भरपूर टाला फिर कह दिया कि वह आदमी तो खुदा को प्यारा हो गया। लेकिन एक दिन बादशाह सुबह की सैर पर गए तो वह आदमी उन्हें दिख गया। उन्होंने आगामीर से उसे बुलाने को कहा तो उन्होंने उनसे पूछा, 'कैसे बुलाऊं हुजूर? उसे तो आप अपने चश्म-ए-गैब (अलौकिक दृष्टि) से देख रहे हैं।

पंजाब की चिंता करना जायज है लेकिन अमरिंदर हरियाणा और दिल्ली को नुकसान क्यों पहुँचवाना चाहते हैं?

राकेश सैन

होशियारपुर में एक सरकारी कार्यक्रम में बोलते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने किसानों को अपील की कि वह पंजाब में 113 जगह दिए जा रहे धरने उठा लें, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके और पंजाब की आर्थिकता प्रभावित न हो। अपने घर लगी आग को कुछ लोग आग और दूसरों के घर लगे तो उसे बसन्तरदेव कहते हैं। पंजाब के मुख्यमन्त्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह भी इन्हीं लोगों में हैं, पंजाब में आन्दोलन से तंग आकर उन्होंने किसानों से कहा है कि वे पंजाब की बजाय हरियाणा व दिल्ली की सीमा पर ही धरने दें। उनके अनुसार इस आन्दोलन से पंजाब को बड़ा नुकसान हो रहा है। हरियाणा सरकार ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है और कैप्टन अमरिन्दर पर निशाना साधा है। हरियाणा के कृषि मन्त्री जेपी दलाल और गृहमन्त्री अनिल विज ने कैप्टन पर तीखा हमला बोला है। विज ने कैप्टन के बयान को बेहद गैर-जिम्मेदाराना करार दिया है। कृषि मन्त्री जेपी दलाल ने कहा कि कैप्टन के बयान से साफ हो गया है कि यह पूरा आन्दोलन कांग्रेस और पंजाब प्रायोजित है। कैप्टन को पंजाब के साथ हरियाणा और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की भी चिन्ता करनी चाहिए। उनको किसान संगठनों को समझाना चाहिए। पूर्व केन्द्रीय मन्त्री व अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर बादल ने इस बयान पर कहा कि कैप्टन अपने आलीशान महल में आराम करते हैं, जबकि हमारे किसान पिछले 10 महीने से खराब मौसम में दिल्ली की सड़कों पर मर रहे हैं। यही कैप्टन की योजना थी। होशियारपुर में एक सरकारी कार्यक्रम में बोलते हुए कैप्टन अमरिन्दर ने किसानों को अपील की कि वह पंजाब में 113 जगह दिए जा रहे धरने उठा लें, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके और पंजाब की आर्थिकता प्रभावित न हो। कहीं न कहीं यह धरने पंजाब के लिए गम्भीर साबित हो रहे हैं। राज्य की आर्थिक हालात पहले ही ठीक नहीं है और अगर किसान अपने ही राज्य में धरने लगाएंगे तो इससे हालत और खराब हो सकती है। उन्होंने कहा कि हमें अपने राज्य की उन्नति के लिए सहयोग देना चाहिए न कि बाधा पैदा करनी चाहिए। अगर हम नहीं समझे और हालात इसी तरह रहे तो पंजाब के लिए आर्थिक संकट पैदा हो जाएगा। कैप्टन ने कहा कि राज्य का किसान तो पंजाब की उन्नति के लिए दिन रात एक करता है, परंतु यदि किसान अपने ही राज्य के लिए परेशानी पैदा करेंगे तो आगे कैसे बढ़ा जा सकता है। यहां यह बताना जरूरी है कि कथित किसान आन्दोलनों के चलते राज्य की आम जनता तो परेशान है ही इसके साथ इससे राज्य की आर्थिक गतिविधियां पंगु हो चुकी हैं। राज्य में अडानी समूह द्वारा लुधियाना के पास लॉजिस्टिक पार्क, फिरोजपुर व मोगा के पास साइलो प्लाण्ट बन्द किए जा चुके हैं। इनके बन्द होने से हजारों वो नौजवान अपनी नौकरियों से हाथ धो बैठे हैं जो ग्रामीण पृष्ठभूमि से ही आते हैं और किसानों के ही बेटा-बेटी हैं। केवल इतना ही नहीं रिलायंस कम्पनी राज्य में कई स्थानों पर अपने पेट्रोल पम्प व खुदरा विक्रय केन्द्र बन्द कर चुकी है और कई स्थानों पर अपने कर्मचारियों को नयी जगहों पर नौकरी ढूंढ़ने को कहा जा चुका है। कथित किसानों के धरने के चलते बठिण्डा में हाल ही में एक बड़ी कम्पनी ने अपना मार्ट बन्द कर दिया है।

केकेआर के खिलाफ मैच से पहले सचिन का आरसीबी लुक वाला हेयरकट सोशल मीडिया पर हुआ वायरल, फैंस ने किया ट्रोल्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 का दूसरा फेज रविवार से शुरू होने वाला है। दूसरे हाफ में विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की टीम का सामना सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स से होना है। दोनों टीमें इस मुकाबले की तैयारियो में जुटी हुई है। आरसीबी के युवा बल्लेबाज सचिन बेबी एक बार फिर से कोहली की कप्तानी में खेलते हुए नजर आएंगे। दुबई में मैच की तैयारियों में लगे सचिन ने इस बीच, सोशल मीडिया पर अपनी टीम आरसीबी के नाम से हेयर लुक शेयर किया है, जिसपर फैंस मजेदार रिएक्ट कर रहे हैं और साथ ही उन्हें ट्रोल्स भी कर रहे हैं। सचिन ने अपने ट्विटर हैंडल पर अपने आरसीबी हेयरकट को फैन्स के साथ शेयर किया है। उन्होंने इस पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, आरसीबी। उन्होंने इस पोस्ट के साथ दिल का एक इमोजी भी पोस्ट किया है। सचिन के अलावा आरसीबी ने भी अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जिसमें सचिन का हेयरट कट नजर आ रहा है। टीम ने कैप्शन में लिखा, सचिन का नया कट।

दिल्ली कैपिटल्स की तैयारियों का लगा झटका, फ्रेंचाइजी ने सिद्धार्थ की जगह कुलवंत को टीम में शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के दूसरे फेज से पहले दो दिन के अंदर दूसरे खिलाड़ी को अपनी टीम में शामिल किया है। फ्रेंचाइजी ने एम सिद्धार्थ की जगह कुलवंत खेजरोलिया को अपनी टीम के साथ जोड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार शाम को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।

तमिलनाडु के बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर सिद्धार्थ प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोटिल हो गए थे और फिर वह पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। दिल्ली कैपिटल्स ने कहा, बायें हाथ के स्पिनर मनिमारन सिद्धार्थ चोटिल होने के कारण आईपीएल 2021 में नहीं खेल पाएंगे। यह 23 वर्षीय खिलाड़ी दुबई में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गया था। बायें हाथ के तेज गेंदबाज खेजरोलिया नेट गेंदबाज के रूप में दिल्ली कैपिटल्स के बायो बबल का हिस्सा हैं और उन्हें अब मुख्य टीम में शामिल कर दिया गया है। सिद्धार्थ ने आईपीएल में शामिल होने से पहले 2019 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्हें शुरू में कोलकाता नाइट राइडर्स ने चुना गया था, लेकिन 2021 की नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 20 लाख रुपये की बेस प्राइस में खरीदा था। दिल्ली कैपिटल्स ने इससे पहले, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की जगह ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस को अपनी टीम में शामिल किया था। टीम ने हाल में एक बयान में कहा था कि उसने लीग के 14वें सीजन के दूसरे लेग के लिए इंग्लैंड के ऑलराउंडर वोक्स की जगह ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस को अपनी टीम के साथ जोड़ा है। दूसरे लेग की शुरुआत 19 सितंबर से होनी है और दिल्ली कैपिटल्स को अपना अगला मुकाबला 22 सितंबर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलना है।

27 साल के बेन ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेलते हैं। उन्होंने बीबीएल में अबतक 69 मैचों में 85 विकेट चटकाए हैं और वह टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। बेन अब जल्द ही यूएई में बायो बबल में दिल्ली कैपिटल्स टीम के साथ जुड़ेंगे। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल 2021 में प्वाइंटस टेबल में अबतक आठ मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक लेकर टॉप पर है।

भारतीय बल्लेबाज ने छोड़ा अपनी टीम का साथ, सोशल मीडिया पर पोस्ट करके पुरानी टीम से जुड़ने की दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज हनुमा विहारी ने आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन से अपना नाता तोड़ लिया है। विहारी ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। वह हाल में इंग्लैंड दौरे भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच में प्लेइंग इलेवन में खेलने का मौका नहीं मिला था। विहारी 2015 में आंध्र क्रिकेट टीम से जुड़े थे, लेकिन अब उन्होंने अपनी पुरानी टीम हैदराबाद से जुड़ने का फैसला किया है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले हनुमा ने 2018 में इंग्लैंड दौरे से टेस्ट में डेब्यू किया था। उन्होंने भारत के लिए 12 टेस्ट मैचों में अबतक 32.84 की औसत से 624 रन बनाए हैं। 27 साल के विहारी ने ट्विटर पर एक बयान में कहा, मैं आप सभी को यह जानकारी दे रहा हूं कि मैं आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन से अच्छे रिश्ते के साथ अलग हो रहा हूं। मुझे पिछले पांच साल के दौरान आंध्रा की कप्तानी और इसका प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। हम एक टीम के रूप में तैयार हुए और इस पर हमें काफी गर्व है। मैं अपने टीम साथियों, कोच और एसोसिएशन के लोगों का लगातार सपोर्ट करने लिए धन्यवाद कहता हूं।

विराट कोहली को मिला फायदा, केएल राहुल टॉप-10 में बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज खत्म होने के बाद ताजा जारी आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक को फायदा मिला है। डिकॉक अपने करियर की बेस्ट रैंकिंग आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। यह सीरीज दक्षिण अफ्रीका ने 3-0 से अपने नाम की। भारतीय बल्लेबाजों की बात करें तो विराट कोहली चौथे पायदान पर पहुंच गए हैं, जबकि केएल राहुल छठे पायदान पर बने हुए हैं। भारत की ओर से यही दो बल्लेबाज टॉप-10 टी20 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हैं। टी20 गेंदबाजों की बात करें तो तबरेज शम्सी पहले पायदान पर हैं, वहीं श्रीलंका के वहिंदु डि सिल्वा दूसरे पायदान पर हैं। डेविड मलान नंबर-1 टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं, जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम दूसरे पायदान पर हैं। विराट को एक पायदान का फायदा मिला है और वह पांचवें से चौथे पायदान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे पांचवें नंबर पर फिसल गए हैं। रोहित शर्मा लेटेस्ट टी20 रैंकिंग में 21वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

ग्लेन मैक्सवेल ने बताया

यूएई में आईपीएल खेलने से टी20 विश्व कप में कैसे मिलेगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का मानना है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आयोजन से इन्हीं आयोजन स्थलों पर अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए मुकाबला थोड़ा बराबरी का हो जाएगा। आईपीएल 19 सितंबर से यूएई में बहाल होगा। भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण इसे मई में बीच में स्थगित कर दिया गया था। आईपीएल समाप्त होने के बाद 17 अक्टूबर से टी20 विश्व कप का आयोजन भी यूएई में ही होगा।

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की तरफ से खेलने वाले मैक्सवेल ने आईसीसी-क्रिकेट.कॉम से कहा, यूएई में टूर्नामेंट के आयोजन से मुकाबला थोड़ा बराबरी का हो गया है। शायद इससे चीजें थोड़ा आसान हो जाती हैं क्योंकि वहां घरेलू मैदान जैसा फायदा नहीं मिलेगा। आईपीएल वहां खेला जा रहा है जिसमें कई इंटरनेशनल खिलाड़ी भी भाग लेंगे जो बाद में विश्व कप में भी खेलेंगे इसलिए मुझे लगता है कि परिस्थितियां सभी के लिये समान होंगी। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष खिलाड़ी जैसे स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर, पैट कमिन्स आदि पिछले कुछ समय से नहीं खेले हैं लेकिन वे आईपीएल में मैदान पर वापसी करेंगे। मैक्सवेल ने कहा, आईपीएल में खेलने से आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को विश्व कप की तैयारियों में मदद मिलेगी। हमारे कई खिलाड़ी आईपीएल में खेलेंगे और उन्हें यहां तैयारी का अच्छा मौका मिलेगा। उन्हें इन परिस्थितियों में कुछ मैच खेलने को मिलेंगे। यह हमारे बल्लेबाजों के लिये बहुत अच्छा होगा। जब तक टूर्नामेंट शुरू होता है तब तक हमारे गेंदबाज पूरी लय में लौट आएंगे। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि प्रत्येक यहां खेलने के लिये बेताब है। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप में मौजूदा चैंपियन वेस्टइंडीज, विश्व की नंबर एक टीम इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ एक ग्रुप में रखा गया है। अपने कई इंटरनेशनल खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया को हाल में वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के खिलाफ छह मैचों से केवल एक में जीत मिली लेकिन मैक्सवेल को पूरा विश्वास है कि बड़े टूर्नामेंट में उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। मैक्सवेल ने कहा, हम सभी इसके लिए तैयार है। आप देखिए कि हमारे पास कितने अच्छे खिलाड़ी है। हमारी टीम में मैच विजेताओं की भरमार है और जब उनका दिन होता है तो अपने दम पर मैच जिता सकते हैं।

पूर्व कप्तान ने कहा- भारत बनाम पाकिस्तान मैच में बाबर व बुमराह के बीच होगा महामुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने वाले टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले से अपने? अभियान की शुरुआत करेगी। टी20 वर्ल्ड कप 17 अक्टूबर से यूएई और ओमान में खेला जाएगा जबकि भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 24 अक्टूबर को होगा। मुकाबले के शुरू होने से पहले ही दोनों देशों की ओर से जुबानी जंग शुरू हो गया है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सलमान बट्ट ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर अपनी राय दी है। बट्ट ने कहा है कि इस रोमांचक मैच में जसप्रीत बुमराह और बाबर आजम के बीच का महामुकाबला देखने को मिलेगा।

बट्ट ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, बुमराह बनाम बाबर के बीच का मुकाबला शानदार होगा। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच काफी कड़ा मुकाबला होगा। बुमराह और बाबर दोनों ही वर्ल्ड क्लास प्लेयर हैं। उनके पास अनुभव भी है। बुमराह के पास थोड़ा ज्यादा अनुभव है लेकिन बाबर भी काफी समय से इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहे हैं। इसके अलावा वो टीम के कप्तान भी हैं। उन्हें अन्य खिलाड़ियों को रास्ता दिखाना होगा। टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान को सुपर 12 राउंड के लिए ग्रुप बी में रखा गया है। इसमें न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान की टीम भी शामिल है। भारत और पाकिस्तान की टीमें पिछली बार 2019 में 50 ओवरों के वर्ल्ड कप में एक दूसरे से भिड़ी थी, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को डकवर्थ लुइस नियम के तहत 89 रनों से हराया था। उस मैच में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने शानदार शतक जड़ा था। पूर्व सलामी बल्लेबाज का मानना है कि पाकिस्तान की ओर से बाबर बल्लेबाजी की शुरुआत करेंगे जबकि भारत के लिए बुमराह गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह काफी दिलचस्प मुकाबला होगा। उन्होंने कहा, ये काफी अच्छा मुकाबला होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले में बाबर बनाम बुमराह पर सबकी निगाहें रहेंगी। इन दोनों ही खिलाड़ियों का आमना-सामना जरूर होगा क्योंकि बाबर पारी की शुरुआत कर सकते हैं और बुमराह उन्हें गेंदबाजी करेंगे। देखते हैं उस दिन क्या होता है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर ब्रैड हॉग ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 2 टीमों को बताया फेवरेट, भारत का नाम कहीं नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने से यूएई और ओमान में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए सभी देशों ने अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। टी-20 विश्व कप की शुरुआत 17 अक्टूबर से होनी है और टूर्नामेंट का फाइनल मैच 14 नवंबर को खेला जाएगा। इस बीच, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ब्रैड हॉग ने आगामी टी20 विश्व कप 2021 के लिए अपनी पसंदीदा टीम को चुना है। हॉग का मानना ????है कि मौजूदा समय में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड टी20 प्रारूप में सबसे बेस्ट टीम हैं और यही दोनों टीमों में से कोई एक चैंपियन बन सकती है। हॉग ने हालांकि आगे बताया कि अगर इन दोनों टीमों को कोई टक्कर दे सकता है तो वह भारत ही है।

हॉग ट्विटर यूजर्स के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस दौरान उनसे टी20 वर्ल्ड कप में खिताब जीतने की फेवरेट टीम के बारे में पूछा गया तो पूर्व स्पिनर ने इस पर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीम का नाम लिया। ये दोनों टीमें 2019 वर्ल्ड कप के फाइनल में आमने सामने हुई थी, जहां इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को बाउंड्री नियम के आधार पर हराकर पहली बार 50 ओवरों का आईसीसी खिताब जीता था। हॉग ने ट्विटर पर सवालों का जवाब देते हुए लिखा, टी20 फॉर्मेट में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड मेरी पसंदीदा टीम है। और कागजों पर केवल एक ही टीम है, जो इन दोनों को टक्कर दे सकती है, वह है टीम इंडिया। इंग्लैंड की टीम 2010 में टी20 वर्ल्ड कप जीत चुकी है जबकि हाल के समय में उसने अपने घर में श्रीलंका और पाकिस्तान से टी20 सीरीज जीती है। लेकिन भारत और न्यूजीलैंड को हाल में अपनी टी20 सीरीज गंवानी पड़ी है। भारत को जहां श्रीलंका से तो वहीं, न्यूजीलैंड को बांग्लादेश से सीरीज गंवानी पड़ी है।

दिल्ली कैपिटल्स के असिस्टेंट कोच मोहम्मद कैफ ने बताया, खिलाड़ी के वापस आने से टीम को मिला है प्लस प्वाइंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन करने वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम 19 सितंबर से शुरू होने जा रहे दूसरे हाफ में भी अपने उसी प्रदर्शन को बरकरार रखना चाहती है। टीम के असिस्टेंट कोच मोहम्मद कैफ ने इसके लिए अलग प्लान बनाया है। कैफ ने साथ ही कहा है कि स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी से टीम को बहुत फायदा मिलेगा। दिल्ली कैपिटल्स की टीम प्वाइंट्स टेबल में आठ मैचों में छह जीत के साथ 12 अंक लेकर तालिका में पहले नंबर पर कायम हैं। दूसरे हाफ में टीम को अपना पहला मुकाबला 22 सितंबर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलना है। दिल्ली कैपिटल्स ने अपने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें कैफ ने कहा, आईपीएल के पहले चरण के बाद लंबा ब्रेक हो गया, लेकिन हम खुशकिस्मत हैं कि हमारे अधिकांश खिलाड़ी लगातार इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते रहे हैं। हमारे पास संतुलित टीम है क्योंकि इसमें इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट का अनुभव रखने वाले खिलाड़ी हैं। पहला मैच काफी अहम होगा। इससे हमारी लय बनेगी।कैफ ने कहा कि अय्यर के वापस आने से टीम को प्लस प्वाइंट मिला है। अय्यर कंधे की चोट के कारण पहले हाफ में नहीं खेल पाए थे। कैफ ने साथ ही कहा कि लीग यूएई में होने से कई खिलाड़ियों की भूमिका बदल सकती है। उन्होंने कहा, टीम में बहुत बदलाव नहीं हुए हैं लेकिन सबसे अच्छी बात है कि श्रेयस की वापसी हुई है। वह शानदार खिलाड़ी है और पिछले सीजन में उनका प्रदर्शन बहुत ही अच्छा रहा है। हम उन्हें इस सीजन में भी खेलते हुए देखने को लेकर उत्साहित हैं। हमने भारत में अच्छा खेल दिखाया था और अब उस प्रदर्शन को यूएई में बरकरार रखना है। कुछ खिलाड़ियों की भूमिका बदल सकती है क्योंकि यहां हालात थोड़ा अलग हैं। हमें नए सिरे से शुरुआत करनी होगी और हालात के अनुकूल खुद को ढालना होगा।

ऐसी गेंद कि टूट गया क्रिस गेल का बल्ला, यूनिवर्स बॉस ने फिर बॉलर की खटिया की खड़ी, अगली चार गेंद पर जड़ डाले 18 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2021 का फाइनल मैच सेंट लूसिया किंग्स और सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रिऑट्स के बीच आज खेला जाना है। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रिऑट्स ने दूसरे सेमीफाइनल मैच में गुयाना अमेजन वॉरियर्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस मैच के दौरान एक मजेदार किस्सा देखने को मिला। सेंट किट्स के सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल और एविन लुइस पारी का आगाज करने उतरे। अमेजन वॉरियर्स ने जीत के लिए 179 रनों का लक्ष्य रखा था। गेल और स्मिथ ने पहले तीन ओवर में 19 रन बनाए। फिर चौथा ओवर फेंकने आए ओडियन स्मिथ। स्मिथ के ओवर की दूसरी ही गेंद पर गेल का बल्ला टूट गया। बल्ला टूटते ही, जैसे गेल को करंट सा लग गया और इसके बाद उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी शुरू कर दी।स्मिथ के ओवर से पहले गेल 8 गेंद पर 1 रन बनाकर खेल रहे थे। स्मिथ ने ओवर की शुरुआत वाइड गेंद से की, फिर पहली गेंद पर गेल के बल्ले से चौका निकला। स्मिथ ने अगली गेंद इतनी तेज फेंकी कि गेल का बल्ला दो टुकड़ों में टूट गया। गेल खुद भी यह देखकर हैरान रह गए, लेकिन इस घटना के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। ओवर की आखिरी चार गेंद पर गेल के बल्ले से 4,4,6,4 (कुल 18) रन निकले। इस ओवर से पहले गेल जहां 8 गेंद पर एक रन बनाकर खेल रहे थे, इस ओवर के बाद उनके खाते में 14 गेंद पर 23 रन जुड़ गए। गेल ने 27 गेंद पर 42 रनों की पारी खेली, वहीं लुइस ने 77 रनों का योगदान दिया। ड्वेन ब्रावो ने 34 रनों की पारी खेली। सेंट किट्स ने 17.5 ओवर में ही महज तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

रोहित शर्मा की तरह तीनों फॉर्मेट में बैटिंग करना चाहती हैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एलिसा हीली

ब्रिसबेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की टॉप महिला क्रिकेटर एलिसा हीली ने कहा कि वह रोहित शर्मा से प्रेरणा लेकर इस भारतीय स्टार सलामी बल्लेबाज की तरह खेल के तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन करना चाहती हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज हीली भारत के खिलाफ 21 सितंबर से शुरू हो रही सीरीज की तैयारियों में जुटी हैं। ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम भारत के खिलाफ तीन वनडे, एक डे-नाइट टेस्ट और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। हीली ने अभी तक केवल चार टेस्ट मैच खेले हैं और उनका कहना है कि वह पिंक बॉल के मुकाबले को वनडे की तरह ही खेलना चाहेंगी, जो कैनबरा में 30 सितंबर से तीन अक्टूबर तक खेला जाएगा।

हीली ने सीरीज के लॉन्च फॉक्स क्रिकेट शो में कहा, यह (पिंक बॉल टेस्ट) पेचीदा होगा क्योंकि मैंने सिर्फ चार टेस्ट मैच ही खेले हैं इसलिए मैं यह नहीं कहूंगी कि मैं टेस्ट मैच में खेलने के लिए सहज हूं। उन्होंने कहा, जहां तक मेरी बात है तो इस टेस्ट में मेरी वनडे बल्लेबाजी से ज्यादा कुछ बदलाव नहीं होने वाला है।

मुझे लगता है कि खुद को और ज्यादा समय देना (बल्लेबाजी के लिए) शानदार है। उन्होंने कहा, आधुनिक टेस्ट मैच को देखें तो यह काफी बदल गया है। मैं रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी से प्रेरणा लेती हूं जो दुनिया के सफेद गेंद के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक हैं, फिर भी वह टेस्ट क्रिकेट में वास्तव में सफल सलामी बल्लेबाज हैं। सफेद गेंद के क्रिकेट में दबदबा बनाने के बाद भारतीय सीमित ओवर की टीम के उप-कप्तान रोहित ने लाल गेंद के फॉर्मेट में भी अपनी काबिलियत साबित की है। बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए रोहित ने भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के दौरे के दौरान अहम भूमिका अदा की। हीली ने कहा, इसलिए मैं उनकी (रोहित) तरह खेलना चाहती हूं कि वह सभी फॉर्मेट में किस तरह से अपने कौशल से शानदार बल्लेबाजी करते हैं तो मैं सोचती हूं कि मैं किस तरह उनकी तरह का प्रदर्शन कर सकती हूं?

राज्यसभा में हंगामे की वजह से सस्पेंड हुईं टीएमसी की सांसद अर्पिता घोष ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद अर्पिता घोष ने इस्तीफा दे दिया है। अर्पिता घोष के इस्तीफे को राज्यसभा अध्यक्ष ने मंजूर भीकर लिया है। इस संबंध में बुधवार को राज्यसभा सचिवालय की तरफ से जानकारी दी गई है। अर्पिता घोष के इस्तीफे को लेकर जो नोटिफिकेशन राज्यसभा सचिवालय की तरफ से जारी किया गया है उसमें कहा गया है कि टीएमसी सांसद के इस्तीफे को राज्यसभा अध्यक्ष वेंकैया नायडू ने मंजूर भी कर लिया है। अर्पिता घोष ने अचानक यह इस्तीफा देकर अपने ही पार्टी के कई नेताओं को चौंका दिया है। अर्पिता घोष राज्यसभा में पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व कर रही थीं। आपको याद दिला दें कि अर्पिता घोष उन सांसदों में शामिल थीं जिनपर संसद में मॉनसून सत्र के दौरान हंगामा करने और मार्शलों से उलझने का आरोप लगा था। इस मामले में अर्पिता घोष को सस्पेंड भी किया गया था। पश्चिम बंगाल में उपचुनाव होने हैं। ऐसे में अर्पिता घोष के इस्तीफे को लेकर राजनीतिक विश्लेषक अपने-अपने तरीके से कयास लगा रहे हैं।

थियेटर डायरेक्शन और अभिनय के क्षेत्र से जुड़ी रहीं अर्पिता घोष ने साल 2010 में अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से यह भी कहा जा रहा है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर उन्होंने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अर्पिता घोष को संगठन में जिम्मेदारी दी जाएगी। तृणमूल के सूत्रों ने बताया कि आने वाले दिनों में वह संगठनात्मक स्थिति में अहम भूमिका निभाते नजर आएंगी। बता दें कि पश्चिम बंगाल की भवानीपुर सीट पर उपचुनाव से पहले अर्पिता घोष का यह इस्तीफा हुआ है।

दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में पीएम मोदी के साथ ममता बनर्जी, टाइम मैगजीन की लिस्ट में अदार पूनावाला तीसरे भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। जानी-मानी पत्रिका 'टाइम' ने साल 2021 के लिए सबसे प्रभावशाली शख्सियतों की सूची जारी कर दी है। मैग्जीन ने दुनिया के 100 प्रभावसाली लोगों की सूची जारी की है। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सीरम इंस्टीच्यूट के सीईओ अदार पूनावाला को भी जगह दी गई है। मैग्जीन ने 100 प्रभावशाली लोगों की इस सूची को 6 कैटेगरी में बांटा है। इन कैटेगरियों में नेता, कलाकार, पायनियर, आइकन, टाइटन और अन्वेषक शामिल हैं। इन सभी कैटेगरियों में दुनिया भर से अलग-अलग लोगों को शामिल किया गया है। 'टाइम' मैग्जीन की इस सूची को सबसे शक्तिशाली और भरोसेमंद सूची माना जाता है। मैग्जीन के एडिटर इस सूची को तैयार करने के लिए जी-तोड़ मेहनत करते हैं। इसके अलावा जिन लोगों को इसमें शामिल किया जाता है उनके बेहतरीन कामों को मद्देनजर रखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया जाता है।

इस पत्रिका में भारतीय-अमेरिकन पत्रकार फरीद ज़कारिया ने लिखा कि जब नरेंद्र मोदी चुने गए थे तब कई लोगों ने यह सोचा कि भारत में सामाजिक पिछड़ापन आ जाएगा। लेकिन उन्होंने बड़ी एकाग्रता के साथ कुछ अलग किया। वो देश को हिंदू राष्ट्रीयता की तरफ ले गए। ममता बनर्जी के बारे में बरखा दत्त ने लिखा कि 2 मई को ममता बनर्जी नरेंद्र मोदी के विस्तारवादी टारगेट के सामने दीवार बन कर खड़ी हो गईं। भारतीय जनता पार्टी के पास लोग और पैसे दोनों थे बावजूद इसके ममता बनर्जी दोबारा राज्य की मुख्यमंत्री बनीं।

बरखा दत्त ने आगे लिखा कि भारतीय राजनीति में दूसरी अन्य महिलाओं की तरह ममता बनर्जी की छवि कभी किसी की पत्नी, मां, बेटी या सहयोगी के तौर पर नहीं रही। वो गरीबी में रहकर आगे बढ़ीं। एक बार तो उन्होंने स्टेनोग्राफर और मिल्क-बूथ वेंडर के तौर पर भी काम किया ताकि वो अपने परिवार की मदद कर सकें। ममता बनर्जी के बारे में कहा जाता है कि वो तृणमूल कांग्रेस को लीड नहीं करती हैं बल्कि वहीं टीएमसी हैं। स्ट्रीट-फाइटर की छवि ममता बनर्जी की रही है। पत्रकार अभिष्यंत किदनगूर ने लिखा, 'पूनावाला ने मार्च में मुझसे कहा अगर इतिहास उनके कामों को जज करे तो उन्हें किसी तरह का कोई मलाल नहीं है।' इस साल उनके साथ कई समस्याएं आईं। पुणे में उनके प्लांट में आग लग गई। भारत के पास कच्चे माल की कमी थी। लेकिन उन्होंने बेहतरीन काम किया।

गुजरातः नाव में सवार होकर भारतीय इलाके में घुसे 12 पाकिस्तानी, भारतीय तटरक्षक बल ने दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तटरक्षक बल ने बुधवार को बताया कि उन्होंने भारतीय सीमा में घुसे पाकिस्तानी नौका को पकड़ा है।

पाकिस्तान की तरफ से आए इस बोट पर 12 लोग सवार थे। गुजरात सीमा के पास घुसपैठियों पर नजर रखने वाली भारतीय जहाज राजत्न ने अपने सर्विलांस मिशन के दौरान पाकिस्तानी जहाज अल्लाह पावावाकल का पता लगाया। भारतीय सीमा में मौजूद इस पाकिस्तानी जहाज पर 12 लोग सवार थे। तटरक्षक बल के जवानों ने तुरंत इस जहाज को कब्जे में लिया। बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात को इस जहाज को सर्विलांस मिशन के दौरान पकड़ा गया। खास बात यह है कि मौसम खराब होने के बावजूद यह पाकिस्तानी जहाज रत्नाकर की नजरों से बच नहीं पाया। तटरक्षक बल की ओर से जारी एक रिलीज में कहा गया कि 14 सितंबर की रात भारतीय तटरक्षक बल के जहाज राजरत्न ने सर्विलांस मिशन के दौरान पाकिस्तानी जहाज का पता लगाया। अल्लाह पावावाकल नाम के इस जहाज पर 12 क्रू मेंबर सवार थे। इस जहाज को गुजरात के द्वारका जिले में स्थित ओखा में लाया गया। आगे की जांच-पड़ताल की जा रही है। इधर एक अन्य घटनाक्रम में आईसीजी ने 13 सितंबर की रात दीव में वनकबारा में डूब रही नौका से सात मछुआरों को सुरक्षित निकाला।

एयर एशिया, विस्तारा और अब एयर इंडिया, आसमान का महाराजा बनने की तैयारी में टाटा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्ज में डूबी सरकारी एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया की बिक्री की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है। इस एयरलाइन को खरीदने वालों की रेस में कई कंपनियां शामिल हैं लेकिन टाटा संस को सबसे बड़े दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी ने एयर इंडिया को खरीदने के लिए दिलचस्पी दिखाई है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो इस साल के अंत तक टाटा समूह के कब्जे में तीसरी बड़ी एयरलाइन आ जाएगी। वर्तमान में टाटा समूह की एयर एशिया और विस्तारा में हिस्सेदारी है। आइए जानते हैं कि किस एयरलाइन में टाटा समूह की कितनी हिस्सेदारी है।

विस्तारा एयरलाइनः विस्तारा एयरलाइन टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड और सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड (एसआईए) का एक ज्वाइंट वेंचर है। इसमें टाटा संस की 51 फीसदी हिस्सेदारी है तो सिंगापुर एयरलाइन का स्टेक 49 फीसदी है। कंपनी टाटा एसआईए एयरलाइंस लिमिटेड के रूप में रजिस्टर्ड है। विस्तारा के पास 47 एयरक्राफ्ट हैं तो वहीं हर दिन 200 से अधिक फ्लाइट उड़ान भरती हैं।

एयर एशियाः साल 2013 में मलेशियाई एयरलाइंस कंपनी एयर एशिया बेरहाद और टाटा संस के ज्वाइंट वेंचर ने एयर एशिया की शुरुआत की थी। इस कंपनी में टाटा संस का हिस्सा 51 फीसदी था तो वहीं एयर एशिया बेरहाद की हिस्सेदारी 49 फीसदी थी। हालांकि, बीते साल एयर एशिया बेरहाद ने अपनी 32.67ज्ञ् हिस्सेदारी टाटा संस को 276 करोड़ रुपए में बेच दी। अब कंपनी में टाटा संस की हिस्सेदारी बढ़कर 83.67ज्ञ् हो गई है।

एयर इंडिया पर रहा है मालिकाना हकः भले ही एयर इंडिया अभी सरकार के कब्जे में है लेकिन करीब 70 साल पहले इस एयरलाइन की शुरुआत जे आर डी टाटा ने की थी। उन्होंने साल 1932 में टाटा एयर सर्विसेज शुरू की थी, जो बाद में टाटा एयरलाइंस हुई और 29 जुलाई 1946 को यह पब्लिक लिमिटेड कंपनी हो गई थी। हालांकि, 1953 में सरकार ने टाटा एयरलाइंस का अधिग्रहण कर लिया। अब एक बार फिर टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा संस ने एयर इंडिया को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है।

बिहारः इन पीड़ित परिवारों को पांच लाख रुपये देगी नीतीश सरकार

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने सड़क हादसों में मारे जाने वाले लोगों के परिवारों को बड़ी राहत दी है। नीतीश सरकार ने सड़क हादसे में मौत होने पर उनके परिजनों को पांच लाख रुपये देने का ऐलान किया है। बुधवार से नीतीश सरकार के इस आदेश को पूरे प्रदेश में लागू कर दिया गया है। इसके साथ ही गंभीर घायल होने वाले व्यक्ति को भी 50 हजार की राशि दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद बिहार सरकार ने यह व्यवस्था की है। बिहार में बढ़ते सड़क हादसों को देखते हुए सरकार ने वाहन दुर्घटना सहायता निधि बनाई है जो लोगों को हादसों के बाद मुआवजा राशि के रूप में मदद पहुंचाएगी। इस निधि में 50 करोड़ की राशि जमा की जाएगी जो जरूरत के अनुसार लोगों को दी जाएगी। इसको लेकर परिवहन विभाग ने बैठक कर सभी जिलों के जिला परिवहन अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

साथ ही इसे पूरे प्रदेश में तत्काल लागू करने के निर्देश भी दे दिए गए हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि अगर हादसा होने पर गाड़ियों का बीमा नहीं मिला तो पूरी राशि वाहन मालिकों से वसूली जाएगी। पीड़ित परिवारों द्वारा दावा करने के 30 दिनों के भीतर यह राशि वाहन मालिकों को देनी होगी। आदेश में कहा गया है कि वाहन मालिक अगर आदेश का पालन नहीं करते हैं तो वाहन को जब्त करके नीलामी की जाएगी।

पंजाब में मुख्यमंत्री ने जारी किया हाई अलर्ट, आईएसआई समर्थिक आतंकी मॉड्यूल के चार और सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य में हाई अलर्ट का आदेश दिया है। बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने यह आदेश पिछले महीने एक आईईडी टिफिन बम से एक तेल टैंकर को उड़ाने की कोशिश में शामिल आईएसआई समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल के चार और सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद जारी किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को अमृतसर की पुलिस ने राज्य में आतंकी साजिश रच रहे 4 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक नाबालिग बताया जा रहा है। ये सभी भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे गांव के ही रहने वाले हैं। हालांकि, आतंकी मॉड्यूल को लेकर आधिकारिक रूप से कोई बयान सामने नहीं आया है।

बता दें कि पिछले कुछ महीनों से पाकिस्तान लगातार पंजाब को अस्थिर करने में लगा हुआ है। पाकिस्तान आईएसआई की मदद से अक्सर सीमा पार हथियार और हेरोइन की खेप भिजवाने की फिराक में रहता है। इसके लिए पाकिस्तान ड्रोन की मदद लेता है। भारत ने कई बार पाकिस्तानी ड्रोन को मार भी गिराया है। इन आतंकियों कि गिरफ्तारी से पहले अगस्त महीने में अमृतसर के एक गांव के पास से टिफिन बम के साथ-साथ हथगोले भी बरामद किए गए थे।

तालिबान को पालना पाकिस्तान को पड़ने लगा महंगा, अफगानिस्तान सीमा पर आतंकी हमले में मारे गए 7 सैनिक

पेशावर (एजेंसी)। अफगानिस्तान की सीमा से लगे पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत में बुधवार को हुई एक मुठभेड़ में सात पाकिस्तानी सैनिक और पांच आतंकवादी मारे गए हैं। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक बयान के अनुसार आंतकियों और पाकिस्तानी सेना के बीच यह मुठभेड़ एक निजी परिसर के पास शुरू हुआ था।

जहां पाकिस्तानी सेना के सात जवान मारे गए। वहीं बलों ने छिपे हुए सभी पांच आतंकवादियों को भी मार गिराया है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान ने सैनिकों की शहादत पर दुख व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरा देश सशस्त्र बलों के साथ खड़ा है। बता दें कि तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के बाद से इस बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में आतंक की घटनाओं में वृद्धि हुई है। जुलाई में, खैबर पख्तूनख्वा में एक आतंकवादी हमले में नौ चीनी सहित कम से कम 13 लोग मारे गए थे। यह घटना उस समय हुआ जब ऊपरी कोहिस्तान जिले में निर्माणाधीन दासु बांध स्थल पर चीनी इंजीनियरों और श्रमिकों को ले जा रही बस में विस्फोट हो गया। विस्फोट के बाद बस गहरी खाई में गिर गई थी।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.
UPHIN 2001/9025

खाद के लिए परेशान किसानों ने दारोगा को लाठी से पीटा, तेजस्वी ने वीडियों ट्वीट कर नीतीश को घेरा

पटना (एजेंसी)। नालंदा में खाद के लिए परेशान किसानों का गुस्सा उस वक्त फूट पड़ा जब एक दारोगा वहां पहुंच गया। किसानों ने दारोगा को लाठियों से पीटते हुए खदेड़ दिया। इस घटना का वीडियो भी किसी ने बनाया जो तेजी से वायरल हो गया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी उस वीडियो को ट्वीट किया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरा है। सीएम नीतीश के जिले में हुई घटना को लेकर तेजस्वी ने मंत्रियों पर तंज भी कसा है। घटना मंगलवार की है। किसान खाद की किल्लत को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

इसी बीच किसानों को समझाने और जाम छुड़ाने गए दारोगा पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उस पर लाठी से हमला कर दिया गया। इस्लामपुर थाने में तैनात दारोगा जालंधर मंडल इस हमले में घायल हो गए। तेजस्वी यादव ने वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा कि बिहार में खाद की भारी किल्लत के चलते किसान आक्रोशित हैं। वीडियो डबल इंजनधारी सरकार के ट्रबलकारी मुख्यमंत्री के गृह जिला नालंदा का है। तेजस्वी ने कहा कि बीजेपी-जदयू सरकार से किसान, नौजवान, व्यापारी, कर्मचारी, बेरोजगार, छात्र और गरीब सभी त्रस्त हैं। जनता में इतना आक्रोश है कि मंत्री घर से निकलते ही नहीं। बताया जा रहा है कि हिलसा डीएसपी ने दारोगा की पिटाई के मामले को संज्ञान में लिया है। वीडियो के आधार पर दोषी लोगों को चिह्नित कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

बादल सरकार ने पंजाब में बनाया था कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग का कानून, अब घड़ियाली आंसू बहा रहे, अकाली दल पर बरसे नवजोत सिद्धू

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के नए बने अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने फ्रंटफुट पर आते हुए विपक्षी अकाली दल पर कृषि कानूनो को लेकर तीखा हमला बोला है। बुधवार को मीडिया से बात करते हुए सिद्धू ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से बनाए गए तीन काले कानूनों को बनाए जाने के पीछे अकाली दल का हाथ रहा है। सिद्धू ने कहा कि ये कानून जब बनाए गए थे, तब अकाली दल भी केंद्र सरकार का हिस्सा था और उसने इस पर सहमति जताई थी। मीडिया से बात करते हुए नवजोत सिंह सिद्धू अकेले ही थे और सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह समेत प्रदेश का कोई और सीनियर नेता नहीं था। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल ने 2013 में कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग को लेकर बिल पेश किया था। इन तीनों ही कृषि कानूनों के लिए अकाली दल जिम्मेदार है। सिद्धू ने कहा कि इन कानूनों में किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी दिए जाने की कोई बात नहीं कही गई है। इससे कॉरपोरेट सेक्टर को अधिकार मिलेगा कि वह एमएसपी से कम पर भी किसानों से फसलें खरीद सकेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसमें 108 फसलों को लाया गया है, जो एमएसपी के तहत थीं। इससे किसानों को सही दाम नहीं मिल सकेगा।

पंजाब की विपक्षी पार्टी अकाली दल पर हमला बोलते हुए सिद्धू ने कहा कि जब इन काले कानूनों को बनाया जा रहा था, तब वह भी मोदी सरकार का हिस्सा थी। सिद्धू ने कहा कि पंजाब में बादल सरकार ने ही कानून बनाया था कि यदि कोई किसान लोन देने से चूकता है तो उसे 5,000 रुपये से लेकर 5 लाख तक का जुर्माना होगा। उन्होंने दावा किया कि बादल परिवार ने अपनी सरकार के दौरान जो बिल पेश किए थे, उनकी तर्ज पर ही केंद्र की ओर से तीन कानून बनाए गए हैं।

ब्रिटेन ने चीनी राजदूत को संसद से किया प्रतिबंधित, बौखलाए ड्रैगन ने बताया कायराना कदम

लंदन (एजेंसी)। चीन के शिनजियांग में उइगर अल्पसंख्यकों के खिलाफ मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन पर टिप्पणी के लिए कुछ ब्रिटिश सांसदों पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर ब्रिटेन ने चीनी राजदूत झेंग जेगुआंग को ब्रिटिश संसद से प्रतिबंधित कर दिया है। चीनी दूतावास ने ब्रिटेन के इस कदम की तीखी निंदा की है।जेगुआंग को हाल ही में चीन संबंधी सर्वदलीय संसदीय समूह (एपीपीजी द्वारा आयोजित एक बैठक में भाग लेना था। लेकिन संसद के प्रतिबंधित सदस्यों और हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष लिंडसे हॉयल के एक पत्र के बाद इसे रद्द कर दिया गया।

सांसदों ने अपने पत्र में दलील दी कि चीनी सरकार ने अब तक प्रतिबंधों को हटाने का कोई प्रयास नहीं किया है जो लोगों का अपराधीकरण करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी आजादी को सीमित करने का एक औजार है। उन्होंने कहा कि वास्तव में, चीनी सरकार ने प्रतिबंधों को कानूनी बल देने के लिए कदम उठाए हैं। यह समझा जाता है कि चीनी राजदूत पर प्रतिबंध स्थायी नहीं है। हाउस ऑफ लॉर्ड्स के अध्यक्ष जॉन मैकफॉल ने इस फैसले का समर्थन किया है। लॉर्ड मैकफॉल ने एक बयान में कहा, ठदोनों सदनों के अध्यक्ष इस बात से सहमत हैं कि चीन संबंधी सर्वदलीय संसदीय समूह की बैठक लॉर्ड्स के दो सदस्यों सहित विभिन्न सदस्यों के खिलाफ मौजूदा प्रतिबंधों को देखते हुए कहीं और होनी चाहिए। संसद से राजदूत को प्रतिबंधित करने के कदम पर टिप्पणी करते हुए चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा, ठब्रिटेन की संसद का निर्णय ब्रिटेन में कुछ लोगों की संकीर्ण मानसिकता को दर्शाता है। यह एक अदूरदर्शी, लापरवाह और कायरतापूर्ण कदम है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं।

कोरोना पर डब्लूएचओ की राहत भरी खबर, दुनियाभर में वायरस के नए मामलों में आई कमी

जिनेवा (एजेंसी)। कोरोना वायरस को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (ष्ध्) की ओर से राहत भरी खबर आई है। डब्ल्यूएचओ ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि पिछले सप्ताह दुनिया भर में कोरोना वायरस के नए मामलों में दो महीने से अधिक समय में पहली बड़ी गिरावट देखने को मिली है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार पिछले सप्ताह दुनिया भर में कोरोना वायरस के करीब 40 लाख मामले दर्ज किए गए। हाल के सप्ताह में कोविड-19 के 44 लाख मामले दर्ज किए गए हैं। डब्ल्यूएचओ ने मंगलवार को जारी अपने साप्ताहिक आंकड़ों में बताया कि पिछले सप्ताह की तुलना में दुनिया के सभी क्षेत्रों में मामलों में कमी देखी गई है। वहीं, दुनिया भर में मौतों की संख्या में भी कमी आई है और यह लगभग 62,000 दर्ज की गई। सबसे ज्यादा कमी दक्षिण पूर्वी एशिया में आई है जबकि मौतों में अफ्रीका में सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सबसे ज्यादा नए मामले अमेरिका, ब्रिटेन, भारत, ईरान और तुर्की में आए तथा वायरस का बेहद संक्रामक स्वरूप 'डेल्ट अब 180 देशों में पहुंच गया है। डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा कि वयस्कों की तुलना में कोविड-19 से बच्चे और किशोर कम प्रभावित हैं। उसने कहा कि 24 साल से कम उम्र के लोगों की वायरस के कारण मृत्यु का प्रतिशत करीब 0.5 प्रतिशत है। इस बीच फ्रांस में बुधवार तक स्वास्थ्य कर्मियों को कोविड रोधी टीका नहीं लगाया गया तो वे काम पर नहीं जा सकेंगे, क्योंकि देश में स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगवाना अनिवार्य है और इसकी समय सीमा का बुधवार अंतिम दिन है।